www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 103 || लखनऊ
सोमवार
13 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:21
सूर्यास्तः 07:02
अधिकतमः 37°00
न्यूनतमः 29°00

पेज 07

विशेष समाचार | कूटनीति के कैनवास पर ... >>पेज 04 | वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 ... >>पेज 06 | 'मां और बेटे एक साथ लॉन्च'...

'वनों से ही नदियां रहेंगी सदानीरा'

योगी ने पेड़ के साथ सेल्फी ली, गुब्बारे छोड़े, गोरखपुर से पौधरोपण अभियान की शुरुआत

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। यूपी में आज 35 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। सीएम योगी ने सुबह 8:30 बजे गोरखपुर से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की। उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के पास नीम, पीपल और बरगद के पौधे लगाए। पौधे के साथ आईफोन से सेल्फी भी ली। सीएम ने आसमान में गुब्बारे भी छोड़े। सीएम ने कहा- एक पेड़ मां के नाम पर लगाइए। सिर्फ पौधे लगाना ही नहीं, उन्हें बचाना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस साल मानसून करीब एक महीना देर से आया, जिससे खेती प्रभावित हुई है। मौसम का स्वरूप बदल रहा है। गर्मी-सर्दी चरम पर पहुंच रही है। दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लगातार चेतावनी दी जा रही है। उन्होंने कहा- समुद्र किनारे बसे कई शहरों पर खतरा मंडरा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

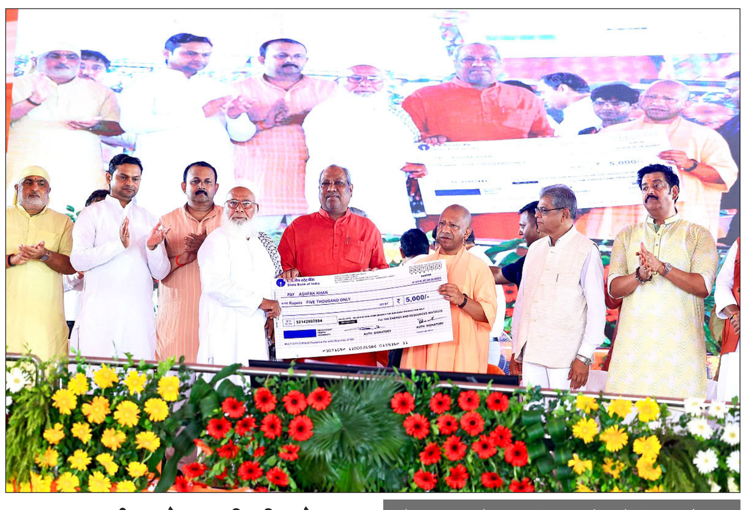

> सीएम ने कहा कि पिछले 9 सालों में प्रदेश में 242 करोड़ पौधे लगाए गए। उज्ज्वला योजना के तहत देश में 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। इससे माताओं-बहनों को धुएं से राहत मिली और आंखों व सांस की बीमारियों से बचाव हुआ। पिछली सरकार गीडा में कब्रिस्तान के लिए जमीन खोज रही थी, जबकि यह सरकार रोजगार देने का काम कर रही है।

गोरखपुर के इन विभागों को मिला है एक लाख से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य

विभाग	लक्ष्य
वन विभाग	1937000
ग्राम विकास	1861000
कृषि विभाग	576000
उद्यान विभाग	285000
पर्यावरण विभाग	238000
पंचायती राज	202000
राजस्व विभाग	143000

कानपुर में कैबिनेट मंत्री और सांसद ने पौधे लगाए, 35 लाख का लक्ष्य

कानपुर में पौधरोपण महाअभियान की शुरुआत चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) से हुई। जिले में एक ही दिन 35 लाख 84 हजार 556 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 500 से अधिक स्थानों का चयन किया गया है। अभियान के तहत 7 थीम आधारित वन और 51 गोकुल वाटिकाएं विकसित की गई हैं। कानपुर में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने पौधे लगाए। उन्होंने लोगों से 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि मां हमें जीवन देती हैं और पेड़ हमें प्राणवायु देते हैं। इसलिए आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण देना हम सबकी जिम्मेदारी है।

डिप्टी सीएम बोले- अभियान को सफल बनाने से हमारा पर्यावरण तो बेहतर बनेगा ही

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- एक पेड़ मां के नाम महा अभियान का प्रारंभ हो चुका है। पूरे प्रदेश में 35 करोड़ से अधिक वृक्ष लगाए जाने का निर्धारण मुख्यमंत्री ने किया है। सुबह 7 बजे से ही सारे विभाग, आम जनमानस और भाजपा के कार्यकर्ता उत्साह के साथ इस वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने में लगे हुए हैं। इस अभियान को सफल बनाने से हमारा पर्यावरण तो बेहतर बनेगा ही, जो 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान है, उसके तहत आप अपनी मां को सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं।

सीएम बोले- पौधे लगाना ही नहीं, उन्हें बचाना भी हमारी जिम्मेदारी

सीएम ने कहा- आज एक ही दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। जब मैं आपसे बात कर रहा हूं, तब तक 5 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। दिनभर यह अभियान चलता रहेगा। ईश्वर की कृपा है कि पौधारोपण के साथ बारिश भी हो रही है। याद रखिए, केवल पौधे लगाना ही नहीं, उन्हें बचाना भी हमारी जिम्मेदारी है। सिंगल यूज प्लास्टिक से भी मुक्ति पानी होगी। सभी लोग इस अभियान का हिस्सा बनें। अपने परिवार और पूर्वजों की स्मृति में एक पौधा लगाएं, उसकी देखभाल करें और धरती माता के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

> सीएम ने कहा- उत्तर प्रदेश में सड़कों का लंबा जाल बिछा है। विकास का काम तेजी से हुआ है। सबसे अधिक भौतिक विकास में योगदान देने वाले राज्यों में यूपी शामिल है। इसके साथ ही वन क्षेत्र बढ़ाने में भी उत्तर प्रदेश ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक वर्ष में लगाए गए पौधों से अनुमानित 4 लाख 30 हजार 873 टन कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण हुआ। 3 लाख 13 हजार 373 टन ऑक्सीजन का उत्सर्जन हुआ। साथ ही 2 लाख 19 हजार 61 लाख लीटर ऑक्सीजन का उत्पादन इन वृक्षों से हुआ। 1 करोड़ 90 लाख टन कार्बन का संचयन और 4 करोड़ टन से अधिक ऑक्सीजन का उत्सर्जन हुआ।

योगी बोले- कांग्रेस सरकार में गैस कनेक्शन 1 लाख रुपए तक में ब्लैक होते थे

सीएम ने कहा- 2017 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद प्रदेश में पुरानी स्ट्रीट लाइट हटाकर एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने का अभियान चलाया गया। उत्तर प्रदेश में 16 लाख एलईडी लाइटें लगाई गईं। इससे प्रदेश को 100 करोड़ रुपए की बचत हुई और कार्बन उत्सर्जन में भी काफी कमी आई। देश में 10 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। कांग्रेस सरकार के समय गैस कनेक्शन 50 हजार से 1 लाख रुपए तक में ब्लैक होते था।

पंजाब कांग्रेस में संकट, चन्नी ने की इस्तीफे की पेशकश

बोले- पूर्व सीएम के तौर पर प्रचार कर लूंगा, बघेल 5 दिन में एकजुट न कर सके

पेशकश

'विलेन' बघेल

तमसा संकेत, एजेंसी

लुधियाना। पंजाब कांग्रेस में टूट का खतरा थमा नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए कैंपेन कमेटी के चेयरमैन बनाए चरणजीत चन्नी ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश कर दी है। चन्नी ने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर ही पार्टी का प्रचार कर लेंगे। इस बारे में चन्नी ने कल, शनिवार को चंडीगढ़ में MLA राणा गुरजीत के घर हुई मीटिंग के दौरान इस्तीफा देने की बात कही। वहीं कांग्रेस हाईकमान से जुड़े सोर्सेज के मुताबिक पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल से हाईकमान नाराज है। उन्हें पंजाब में कांग्रेस की गुटबाजी खत्म करने के लिए भेजा गया था। इसके लिए पूरे 5 दिन का टाइम दिया गया था लेकिन गुटबाजी कम करने के बजाय वह इसे और हवा दे गए। चन्नी गुट में प्रताप बाजवा, सुखजिंदर रंधावा और प्रगट सिंह जैसे बड़े चेहरे होने के बावजूद बघेल ने उन्हें सीरियसली नहीं लिया। दरअसल, एक तो बघेल ने 4 दिन सिर्फ प्रधान राजा वड़िंग के गुट के साथ ही मुलाकात में निकाल दिए। 4 दिन तक उन्होंने 9 MLA व 3 सांसदों के समर्थन वाले चन्नी गुट की परवाह नहीं की। फिर आखिरी दिन वे मिले भी तो चन्नी और वड़िंग गुट की एक साथ मीटिंग नहीं करा सके।

अयोध्या में श्रद्धालु घटे, होटल ऑक्यूपेंसी 25% ही बची

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद हालात बदले, दुकानदारों की कमाई घटी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। सुबह के दस बजे हैं... रामपथ पर स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य द्वार से रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालु आगे बढ़ रहे हैं। कोई रामधुन गा रहा है, तो कोई 'जय श्रीराम' का उद्घोष कर रहा है। इस कतार में लगकर साफ हो जाता है कि रामलला के प्रति आस्था अटूट और अटल है, लेकिन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े लोगों द्वारा चढ़ावा चोरी के आरोपों के बाद यहां बहुत कुछ बदल गया है। रामपथ पर चंदन, माला की दुकान चलाने वाले एक युवक कहते हैं- श्रद्धालुओं की संख्या पहले की तुलना में 25% ही है। यहीं प्रसाद का ठेला लगाने वाले एक युवक ने बताया कि 10 दिन पहले तक रोज 4-5 हजार रु. तक बिक्री कर लेते थे। अब एक हजार भी मुश्किल है। नया घाट पर फूल-माला बेचने सूर्य प्रकाश की भी यही पीड़ा है, जो दिनभर में 1000 से 1500 रु. तक बिक्री करते थे।

> श्रद्धालुओं का कहना है कि राम मंदिर में दर्शन करने में पहले 4 घंटे लगते थे, अब सिर्फ 1 घंटा लग रहा है।

फास्ट न्यूज

बॉयफ्रेंड ने किया नाबालिग गर्लफ्रेंड को किडनैप

लुधियाना। लुधियाना में बॉयफ्रेंड ने नाबालिग गर्लफ्रेंड को किडनैप कर लिया है। उसने गर्लफ्रेंड को अपनी कैद में रखा है। नाबालिग बार-बार अपनी बहन को वॉट्सएप के जरिए वीडियो और ऑडियोमैसेज भेज रही है। लड़की ने अपनी बहन को जो वीडियो भेजा है, उसमें वह जोर-जोर से रो रही है, हालांकि उसमें वह कुछ बोल नहीं रही है।

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है। राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी।

डिलीवरी एजेंट जबरन घर में घुसा, प्राइवेट पार्ट दिखाया

बेंगलुरु। बेंगलुरु में फ्लिपकार्ट का पार्सल डिलीवर करने गए एजेंट को महिला के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान विजय मल्लिकार्जुन कामत के रूप में हुई है। महिला ने बताया कि डिलीवरी एजेंट पार्सल देने उसके घर आया था। महिला ने कहा- मैं घर में अकेली थी।

पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही, उत्तराखंड में लैंडस्लाइड

पाकिस्तान से आ रहीं सूखी हवाओं ने बारिश रोकी, अब प्रशांत महासागर के सिस्टम से उम्मीद

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जहां मानसून की रफ्तार थमी है, वहीं पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। शनिवार रात जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड हुआ। कई गाड़ियां और मशीनें मलबे में दब गईं इधर, देश के लगभग 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। इसका कारण पाकिस्तान की ओर से आ रही सूखी हवाएं बताई जा रही हैं। मौसम की वेबसाइट ऑल इंडिया वैदर की रिपोर्ट के अनुसार ये सूखी हवाएं अरब सागर, मध्य भारत और दक्षिण भारत तक फैल गई हैं। इनकी वजह से राजस्थान, दिल्ली-NCR, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है।

विकास नगर, उत्तराखंड

बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42°C दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि प्रशांत महासागर में 3 नए सिस्टम बन रहे हैं, अगर इनमें से एक भी बंगाल की खाड़ी तक पहुंच गया तो मानसून फिर से एक्टिव हो सकता है। शिमला शहर की लाइफलाइन कार्ट रोड पर रविवार को कई घंटों तक ट्रैफिक रुका रहा, जब हिमाचल प्रदेश कांग्रेस हेडक्वार्टर के पास मलबा और एक पेड़ गिर गया, जिससे यह हिस्सा पूरी तरह से ब्लॉक हो गया।

महंत कमलनयन ने कहा- चंपत राय चोर नहीं, 10 दिन बाद नई टीम संभालेगी कमान

राममंदिर के चंदा चोरों को फांसी जरूर मिलेगी : केजरीवाल

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि चंदा चोरों को फांसी की सजा जरूर मिलेगी। भाजपा ने भगवान राम के नाम पर वोट मांगकर केंद्र और 21 राज्यों में सरकार बनाई। बदले में प्रभु श्रीराम के साथ विश्वासघात किया। इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा, "राम जन्मभूमि आंदोलन और मंदिर निर्माण में चंपत राय का बड़ा योगदान रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि सरकार प्रभु श्रीराम के नाम पर हुए जमीन और निर्माण घोटाले की जांच से पीछे हट रही है। मैंने जमीन घोटाले से जुड़े 13 दस्तावेज एसआईटी (एसआईटी) को सौंपे थे, लेकिन अब खबर है कि एसआईटी इन घोटालों की जांच नहीं करेगी। भाजपा ने 'जय श्री राम' का नारा लगाकर प्रभु श्री राम को लूटने का काम किया।

रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू

महंत धर्मदास बोले- राम जन्मभूमि पर सरकार का नियंत्रण स्वीकार नहीं करेंगे

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मामले के पूर्व याचिकाकर्ता महंत बाबा धर्मदास ने कहा कि हम राम जन्मभूमि पर किसी भी तरह का सरकारी नियंत्रण नहीं होने देंगे। वहां संतों की परंपरा बनी रहनी चाहिए। हम लंबे समय से राम जन्मभूमि के लिए संघर्ष करते आए हैं। कोई भी सरकार वहां अपना नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश न करे।

केजरीवाल बोले- दोषियों को फांसी मिले, शुरू किया सिग्नेचर कैंपेन

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि आज से ये सिग्नेचर कैंपेन शुरू कर रहे हैं। ये एक राम भक्त की चिट्ठी है, प्रधानमंत्री जी के नाम। जिसमें राम भक्त प्रधानमंत्री जी को अपनी पीड़ा व्यक्त कर रहा है और उनसे भगवान राम के मंदिर से चोरी करने वाले दोषियों को सरेआम फांसी की मांग कर रहा है। केजरीवाल ने देशभर के रामभक्तों से अपील की कि अपने मोहल्लों, सोसाइटियों और गांवों में हनुमान चालीसा का पाठ करें।

हमला : 10 सुरक्षित, एक अब भी लापता, भारत ने हमले की निंदा की

ओमान के पास जहाज पर हमला, 11 भारतीय सवार थे

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज 'GFS गैलेक्सी' पर हमला हुआ। भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने रविवार को बताया कि इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है। भारत ने हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट में भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर लापता भारतीय की तलाश और बचाव अभियान पर लगातार नजर रखे हुए है। भारत ने इस अभियान में सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का धन्यवाद भी दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

अमेरिका बोला- होर्मुज से जहाजों की आवाजाही सुनिश्चित करेंगे

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और कानून के तहत गुजरने वाले सभी जहाजों के लिए खुला है। CENTCOM ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी सेना इस अहम समुद्री मार्ग पर जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए तैनात और पूरी तरह तैयार है। अमेरिका ने यह भी दावा किया कि ईरान का होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण नहीं है और इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही जारी है। साथ ही ईरान पर जहाजों को धमकाने, परेशान करने और मनमाने ऐलान करने का आरोप लगाया।

ओमान ने ईरानी राजदूत को तलब कर विरोध जताया

ओमान ने अपने क्षेत्र में ड्रोन हमलों को लेकर ईरान के राजदूत मौसा फरेदून को तलब कर आधिकारिक विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ईरानी राजदूत को विरोध पत्र सौंपा गया, जिसमें मुसंदम और अल-बातिनाह गवर्नरेट में ड्रोन हमलों पर कड़ी आपत्ति जताई गई। ओमानी अधिकारियों ने कहा कि ये कार्रवाई गैर-जिम्मेदाराना है और ईरान से देशों की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की।

> साथ ही कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया के हालात पर लगातार नजर रखे हुए है और समय-समय पर सुरक्षा संबंधी जानकारी देता रहेगा। जो अमेरिकी नागरिक मध्य पूर्व छोड़ना चाहते हैं, उन्हें सरकार यात्रा के विकल्पों की जानकारी और जरूरी सहायता उपलब्ध कराएगी।

पूर्व सीईसी का दावा, मनमोहन ने कहा था-सुसाइड कर लूंगा

कुरैशी बोले- पूर्व पीएम की बात सुनकर चौंक गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

पूर्व CEC एसवाय कुरैशी

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने अपनी किताब 'इंडिया एंड आईः ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर' में में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ा एक इमोनशनल मोमेंट शेयर किया है। कुरैशी की किताब के मुताबिक 2012 में चुनाव आयोग के खिलाफ कुछ मंत्रियों की टिप्पणी की शिकायत सुनने के बाद मनमोहन सिंह ने उनसे कहा था, अगर आपको ऐसा लगता है, तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। मनमोहन सिंह ने कुरैशी से यह भी कहा था कि इलेक्शन कमीशन सिर्फ भारत का गौरव नहीं है, यह देश के लोकतंत्र की आत्मा है और अगर हम इसे खो देते हैं, तो हम सब कुछ खो देंगे। अपनी किताब में कुरैशी ने सिंह की एक ऐसे नेता के रूप में तारीफ की है, जिनके लिए संवैधानिक मर्यादा बातचीत का मुद्दा नहीं बल्कि एक जीता-जागता विश्वास था। किताब के राइटर कुरैशी भारत के 17वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे। उन्होंने वोटर एजुकेशन डिवीजन, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग डिवीजन और इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (IIIDEM) जैसे चुनावी सुधार शुरू किए थे।

यूएसडीटी के जरिए चीन तक भेजते थे पैसा, डार्क नेट के जरिए संपर्क, बैंक खातों व ट्रांजैक्शन की जानकारी साझा करते थे

साइबर ठगों को 'म्यूल अकाउंट' देने वाले 9 आरोपी गिरफ्तार

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में क्राइम ब्रांच और मड़ियांव पुलिस ने साइबर ठगों को म्यूल अकाउंट देने वाले गिरोह के 9 लोगों को रविवार सुबह गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 53,100 रुपए नकद, 50 एटीएम/क्रेडिट कार्ड, 2 पासबुक, 3 चेकबुक, एक टैबलेट, एक आईपैड, एक कार और एक बाइक बरामद की है। आरोपी USDT के जरिए रुपए को चीनी ठगों तक पहुंचाते थे। डार्क नेट की मदद संपर्क में रहते थे। डीसीपी नॉर्थ गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि क्राइम ब्रांच टीम को JMIS समन्वय पोर्टल से संदिग्ध म्यूल अकाउंट की जानकारी मिली थी। सत्यापन के दौरान केशव नगर मोड़ के पास मोहम्मद शाहरूख को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना बैंक खाता साइबर ठगी के लिए उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की और आईआईएम रोड पर मौजूद अपने साथियों की जानकारी दी। इसके बाद क्राइम ब्रांच, डीसीपी उत्तरी और मड़ियांव पुलिस की संयुक्त टीम ने आईआईएम रोड सर्विस लेन पर दबिश देकर 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान जानकी-पुरम निवासी मोहम्मद शाहरूख (20), महफूज खान (19), भंईन देवी मंदिर गुडंबा निवासी सैय्यद अब्दुल्ला (22), मोहिबुल्लापुर मड़ियांव निवासी मोहम्मद बसर (21), आईआईएम रोड मड़ियांव निवासी मोहम्मद रूबान (21),लालबाग हजरतगंज निवासी शाबिर (27), सिकंदर (21), नजरबाग हुसैनगंज निवासी फरहान (26), तुफैल (24) के रूप में हुई।

> आरोपी टेलीग्राम समेत अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए विदेशी साइबर अपराधियों के संपर्क में रहते थे और बैंक खातों व ट्रांजैक्शन की जानकारी साझा करते थे।

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का खाता खुलवाते

जांच में सामने आया कि आरोपी आर्थिक रूप से कमजोर और भोले-भाले लोगों को पैसों का लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाते थे। बाद में उनसे एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, मोबाइल नंबर, इंटरनेट बैंकिंग आईडी, पासवर्ड और ओटीपी अपने कब्जे में ले लेते थे। इन खातों का इस्तेमाल म्यूल अकाउंट के रूप में किया जाता था। साइबर ठगी से आने वाली रकम इन्हीं खातों में जमा होती थी, जिसे आरोपी एटीएम से निकाल लेते थे या आगे दूसरे खातों में ट्रांसफर कर देते थे।

आजम और अब्दुल के जरिए जुड़े थे नेटवर्क से

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आजम और अब्दुल नामक व्यक्तियों के जरिए इस नेटवर्क से जुड़े थे। इनके निर्देश पर अलग-अलग जिलों में बैंक खाते खुलवाए जाते थे और ठगी की रकम निकालने या उसे USDT में बदलकर विदेश व विशेषकर चीनी साइबर अपराधियों तक पहुंचाता था। नेटवर्क में शामिल हर सदस्य को उसकी भूमिका के अनुसार कमीशन मिलता था।

प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द में वृहद वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के संवर्धन के उद्देश्य से प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द में वृहद वृक्षारोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, अभिभावकों एवं ग्रामवासियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाने तथा उन्हें अपने जीवन की अमूल्य संपत्ति के रूप में संरक्षित करने का संदेश दिया गया। सभी से अपील की गई कि वे पौधों को अपने किसी प्रियजन के नाम से अपनाएं तथा उनकी नियमित सिंचाई, खाद एवं देखभाल की जिम्मेदारी निभाएं।इस अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के कार्यालय से विनोद वर्मा (पूर्व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख, मोहन-लालगंज) उपस्थित रहे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बताते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा गठित युवा समाजसेवी टीम के सदस्य गुलशन कुमार, शिक्षामित्र सतीश कुमार, सरिता देवी, अनेक अभिभावकों एवं ग्रामवासियों के साथ मगरा मिशन के सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता की और वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाया। विद्यालय की शिक्षिका रीना त्रिपाठी ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को मुख्य रूप से फलदार पौधों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जंगली एवं स्थानीय प्रजातियों के फलदार वृक्षों की संख्या लगातार घट रही है, जिससे गौरैया, तोता तथा अनेक अन्य पक्षियों के भोजन और प्राकृतिक आवास प्रभावित हो रहे हैं।

फास्ट न्यूज

बुजुर्ग का शव चिता से उठाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

लखनऊ। लखनऊ के गोसाईंगंज क्षेत्र में 80 साल की महिला की मौत के बाद अंतिम संस्कार को लेकर मायके और ससुराल पक्ष के बीच शनिवार दोपहर 4 बजे विवाद हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, सिधौली खुर्द निवासी विद्यावती की शादी निगोहा थाना क्षेत्र के बकतौरी खेड़ा निवासी मातादीन से हुई थी।

लखनऊ में बाबा बुद्धेश्वर मंदिर का दानपात्र चोरी

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बाबा बुद्धेश्वर मंदिर में एक बार फिर चोरी की वारदात सामने आई है। मंदिर के मुख्य गेट के पास नारियल फोड़ने के स्थान पर रखे दानपात्र को अज्ञात चोर उठाकर फरार हो गए। दानपात्र में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई हजारों रुपए की नकदी होने का अनुमान है।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह जब मंदिर के कपाट खोलने पुजारी गए, तब मुख्य प्रवेश द्वार के पास रखा दानपात्र गायब मिला। मंदिर प्रबंधन ने तत्काल पारा पुलिस को सूचना दी।

लखनऊ में चलती स्कॉर्पियो में महिला से रेप की कोशिश

लखनऊ। लखनऊ के वजीरगंज इलाके में जमीन के दस्तावेज देने के बहाने एक विधवा महिला को स्कॉर्पियो में बैठाकर दुष्कर्म की कोशिश की गई। आरोपियों ने कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाने के बाद अश्लील हरकत शुरू कर दी। महिला का आरोप है कि विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपियों ने सीएमओ कार्यालय के पास चलती गाड़ी से धक्का दे दिया।

हाईकोर्ट परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ वृहद पौधरोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत शनिवार को गोमती नगर स्थित इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ परिसर में वृहद पौधरोपण जन-महाअभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पौधरोपण कार्यक्रम में हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायमूर्ति राजन रॉय एवं अन्य न्यायमूर्तिगण ने सहभागिता की। उनके साथ न्यायालय के वरिष्ठ निबंधक, अधिकारीगण, कर्मचा-रीगण एवं अधिवक्तागण ने चांदनी, कनेर, गार्डेनिया, हरश्रृंगार, एवं गुलाचीन इत्यादि पौधों की अलग-अलग प्रजातियों का रोपण किया।

यह कार्यक्रम वन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाकर स्थायी स्मृति स्थापित करना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि हरित एवं समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए विधायिका का सशक्त, जागरूक और जिम्मेदार होना आवश्यक : सतीश महाना

भारतीय संविधान ने विधायिका को महत्वपूर्ण शक्तियां प्रदान की

तमसा संकेत, संवाददाता

पटना/लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए विधायिका का सशक्त, जागरूक और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग होना अत्यंत आवश्यक है। भारतीय संविधान ने विधायिका को महत्वपूर्ण शक्तियां प्रदान की हैं। इसलिए एक विधायक की सबसे बड़ी पहचान विधानसभा से ही बनती है। उन्होंने कहा कि सहमति-असहमति, संवाद और सार्थक चर्चा लोकतंत्र की मूल भावना को मजबूत करते हैं।

बिहार विधानसभा के नवनिर्वाचित एवं वर्तमान सदस्यों के लिए गया जी स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'प्रबोधन कार्यक्रम' में श्री महाना ने विधायकों को संसदीय परंपराओं, विधायी प्रक्रियाओं और जनप्रतिनिधियों के दायित्वों के संबंध में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था लोकतांत्रिक व्यवस्था है, राजशाही नहीं। अब शासन व्यवस्था बैलेट की ताकत से संचालित होती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चारों स्तंभों की अपनी-अपनी भूमिका, सीमाएं और जिम्मेदारियां निर्धारित हैं लेकिन विवाद की स्थिति तभी उत्पन्न होती है, जब कोई एक स्तंभ दूसरे के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर टकराने का प्रयास करता है। इसलिए लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि सभी स्तंभ अपनी संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करते हुए अपनी भूमिका का प्रभावी निर्वहन करें।

विधानसभा की समितियां लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग

महाना ने कहा कि विधानसभा की समितियां लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं। कार्यपालिका की इन समितियों के प्रति जवाबदेही तय है। जनहित के विषयों को लेकर अधिकारियों से प्रश्न करना, जानकारी प्राप्त करना और आवश्यक दिशा-निर्देश देना समितियों का अधिकार होने के साथ-साथ उनकी जिम्मेदारी भी है।

जनता को अपने प्रतिनिधि पर यह भरोसा होना चाहिए

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनता को अपने प्रतिनिधि पर यह भरोसा होना चाहिए कि वह उनके हितों की रक्षा करेगा और किसी भी परिस्थिति में उनका अहित नहीं होने देगा। जनप्रतिनिधियों के प्रति जनता की अपेक्षाएं स्वाभाविक रूप से अधिक होती हैं। इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करना हमारा कर्तव्य भी है और लोकतंत्र द्वारा दिया गया महत्वपूर्ण दायित्व भी।

> बिहार विधानसभा सचिवालय, लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा बिहार सरकार के बिपार्ड के संयुक्त तत्वावधान में 11 एवं 12 जुलाई, 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों को सदन की कार्यवाही, नियमों, विधायी कार्यों और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों की बेहतर समझ प्रदान करना था।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला, 35 करोड़ पौधों के दावे पर उठाए सवाल

वृक्षारोपण नहीं 'भ्रष्टारोपण' अभियान चल रहा : अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

बोले- हर पेड़ से कमाई की योजना

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर वृक्षारोपण अभियान को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए वृक्षारोपण अभियान वास्तव में 'भ्रष्टारोपण' का कार्यक्रम बन गया है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार 35 करोड़ पेड़ लगाने का दावा कर रही है, लेकिन इसके पीछे भ्रष्टाचार की योजना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पेड़ के नाम पर धन की बंदरबांट की जा रही है और जमीन पर लगाए गए पौधों की स्थिति दिखाई नहीं देती।

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। वायु प्रदूषण के साथ-साथ जल प्रदूषण भी बड़ी चुनौती बन चुका है। उन्होंने भाजपा सरकार पर नदियों की सफाई के वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की सफाई के लिए आया बजट भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। वहीं यमुना नदी प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रही है और प्रदेश की कई नदियां अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही हैं।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान लखनऊ में गोमती नदी की सफाई कराई गई थी और गोमती रिवरफ्रंट परियोजना के जरिए नदियों के संरक्षण का उदाहरण पेश किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने गोमती रिवरफ्रंट की अनदेखी कर उसे खराब स्थिति में पहुंचा दिया।

कागजों पर लगाए गए पेड़, जमीन पर नहीं दिख रहे

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हर विभाग और हर योजना में बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार योजनाएं जनहित के बजाय भ्रष्टाचार के उद्देश्य से बनाती है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से वृक्षारोपण के नाम पर केवल कागजी दावे किए जा रहे हैं। जो पौधे लगाए भी गए, उनमें से कई उचित देखभाल और पानी के अभाव में सूख गए।

लखनऊ में सीएनजी लदे डीसीएम के नीचे निकलती रही चिंगारी

लखनऊ। लखनऊ में कृष्णानगर ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से शनिवार को एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। दरोगा खेड़ा क्षेत्र में CNG गैस सिलेंडरों से लदी एक डीसीएम ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक डीसीएम के अगले हिस्से में फंस गई और वाहन दो किलोमीटर तक उसे घसीटता हुआ ले गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सड़क पर घिसट रही बाइक से लगातार चिंगारियां निकल रही थीं। डीसीएम में बड़ी संख्या में CNG गैस सिलेंडर लदे होने के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलते ही कृष्णानगर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए डीसीएम को सुरक्षित रुकवाया। ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। बंथरा थाना क्षेत्र के सैदपुर पुरही निवासी शिवांश मिश्रा हजरत-गंज स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। शिवांश के अनुसार, शनिवार रात करीब 10 बजे वह ड्यूटी से लौट रहे थे।

मोदी के ट्रस्ट की जांच करने में बेबस हैं योगी: संजय सिंह

'राम मंदिर घोटाले के 26 सबूतों के साथ कोर्ट जाऊँगा'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश की योगी सरकार पर राम मंदिर निर्माण और ज़मीन खरीद में हुए भ्रष्टाचार को दबाने का तीखा हमला बोला है। संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने की कसम खाई थी, वह अब खोखली साबित हो रही है क्योंकि एसआईटी (SIT) को निर्माण कार्यों और ज़मीन घोटाले की जाँच से ही बाहर कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण में 40% कमीशन खाया गया और चंदे के पैसे से करोड़ों का ज़मीन घोटाला किया गया। संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि चूँकि यह ट्रस्ट सीधे प्रधानमंत्री द्वारा बनाया गया है, इसलिए मुख्यमंत्री की हिम्मत नहीं है कि वे भ्रष्टाचारियों पर हाथ डाल सकें। उन्होंने घोषणा की कि वे 26 पुख्ता दस्तावेज़ों के साथ कोर्ट जाएंगे ताकि प्रभु श्री राम को लूटने वालों को कड़ी सज़ा मिल सके। सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी के पुराने दावों पर तंज कसते हुए कहा कि जब मंदिर में चोरी का मामला खुला था, तब मुख्यमंत्री ने बड़े दावे के साथ कहा था कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा और जो भी सबूत हैं वे एसआईटी को दिए जाएं। सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। लेकिन आज की खबरें बता रही हैं कि एसआईटी न निर्माण कार्य की जाँच करेगी और न ज़मीन घोटाले की।

सहभागिता : वृक्षारोपण के साथ संरक्षण का भी लें संकल्प, आने वाली पीढ़ियों को दें स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण: ए.के. शर्मा

'एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन आंदोलन बनाएं'

तमसा संकेत, संवाददाता

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा की मौजूदगी में आजमगढ़ में जनभागीदारी से बना 65 लाख पौधरोपण का नया कीर्तिमान

> इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर तैयार चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया तथा उन्हें पौधे भेंट कर प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

लखनऊ। वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 एवं ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान के अंतर्गत आजमगढ़ जनपद ने जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 65 लाख पौधरोपण का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक अभियान में सहभागिता निभाई। जनपद स्तरीय मुख्य कार्यक्रम गंभीर वन (एसकेपी मैदान) सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुआ, जहां मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अपने संबोधन में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ किया गया एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, मातृत्व और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दे रहा है और आजमगढ़ ने 65 लाख पौधरोपण कर इस संकल्प को नई मजबूती प्रदान की है। शर्मा ने कहा कि जनपद में 65 लाख पौधरोपण का लक्ष्य आजमगढ़वासियों की सक्रिय भागीदारी से पूरा हुआ है। यह केवल एक सरकारी लक्ष्य नहीं, बल्कि जनसहभागिता से प्रकृति संरक्षण का ऐतिहासिक अभियान है। पौधे लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है, तभी हरित, स्वच्छ और स्वस्थ उत्तर प्रदेश का सपना साकार होगा।उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे धरती का आभूषण हैं तथा जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम व्यापक वृक्षारोपण है। प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए।

योगी सरकार में पर्यावरण संरक्षण बना जन अभियान : राकेश सचान

कानपुर में खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' के तहत किया पौधरोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

कानपुर नगर / लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को हरित और स्वच्छ बनाने के संकल्प के तहत शनिवार को प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा, वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नवाबगंज, कानपुर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान एक पेड़ माँ के नाम 2.0 में सहभागिता कर पौधरोपण किया। मंत्री राकेश सचान ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण को जन अभियान का रूप दे रही है। "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान माँ के प्रति श्रद्धा और धरती माँ के प्रति कर्तव्य का प्रतीक है। मंत्री ने कहा कि योगी सरकार में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है और हर विभाग, हर संस्थान इस हरित महायज्ञ में सक्रिय भागीदारी कर रहा है। वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की जियो-टैगिंग और नियमित देखभाल सुनिश्चित की जा रही है ताकि उत्तर प्रदेश को हरित प्रदेश बनाने का सपना साकार हो सके।

यूपी में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य, सुल्तानपुर में एएसपी ने किया शुभारंभ

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू

महाअभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर रविवार को प्रदेशभर में चलाए गए वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के तहत सुल्तानपुर जिले में भी व्यापक स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान की थीम 'एक पेड़ मां के नाम' रखी गई है। अभियान के अंतर्गत पूरे उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस महाअभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, प्रदेश के हरित क्षेत्र में वृद्धि करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। प्रदेश सरकार के 'हरित प्रदेश-स्वच्छ प्रदेश' संकल्प को साकार करने के लिए सुल्तानपुर पुलिस ने भी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। पुलिस लाइन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह ने रविवार को सुबह 11 बजे पौधारोपण कर वृक्षारोपण महाअभियान की शुरुआत की। इस दौरान पुलिस विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अपर पुलिस अधीक्षक ने पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनका संरक्षण करना सभी की जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। इनमें छायादार, फलदार और पर्यावरण के लिए उपयोगी पौधों को प्राथमिकता दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी जरूरी है।

पुलिस विभाग ने जिलेभर में चलाया पौधरोपण अभियान

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सुल्तानपुर पुलिस ने जिले के सभी पुलिस सर्किल, थाना, चौकी परिसरों, पुलिस कार्यालयों, शाखाओं, पुलिस लाइन और आवासीय परिसरों में पौधरोपण किया। अधिकारियों ने कहा कि पौधों का संरक्षण करना भी उतना ही जरूरी है जितना उन्हें लगाना।

जनभागीदारी से बनेगा हरित भविष्य

अभियान के माध्यम से मातृ सम्मान के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। पुलिस विभाग ने जिलेवासियों से अपील की कि वे अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधरोपण करें और लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी निभाएं। वृक्षारोपण महाअभियान के जरिए हरित आवरण बढ़ाने, भू-जल संरक्षण और स्वच्छ वातावरण निर्माण की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि सामूहिक भागीदारी से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण तैयार किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों ने विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार और पर्यावरण उपयोगी पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गो-रक्षा यात्रा बाराबंकी पहुंची

हैदरगढ़ में स्वागत, छह विधानसभा क्षेत्रों से गुजरने का कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। ज्योतिषपीठाधीश्वर एवं द्वारका-शारदा पीठ के शंकराचार्य जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार सुबह गो-रक्षा संकल्प यात्रा के तहत बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ कस्बे पहुंचे। सुबह करीब 9:30 बजे उनके पहुंचने पर मुख्य चौराहे पर श्रद्धालुओं, समर्थकों और स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के आगमन को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्त मौजूद रहे। लोगों ने दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी शंकराचार्य का स्वागत किया और पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया।

हैदरगढ़ में स्वागत कार्यक्रम के बाद शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का काफिला आगे दरियाबाद की ओर रवाना हुआ। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उनकी यात्रा बाराबंकी जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। गो-रक्षा संकल्प यात्रा के तहत बड़ेल स्थित शांति पैलेस में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की प्रवचन सभा आयोजित की जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों के पहुंचने की संभावना जताई गई है। यात्रा को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं। पुलिस बल की तैनाती के साथ ही यात्रा मार्ग पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जा सके।

फास्ट न्यूज

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से मासूम की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी के दरियाबाद थाना क्षेत्र में एक झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के दौरान ढाई वर्षीय मासूम की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, देर रात रविवार उसके पास इलाज करने की कोई वैध चिकित्सीय योग्यता नहीं है। सर्दी-बुखार से पीड़ित ढाई वर्षीय अयांश को उसके परिजन इलाज के लिए इसी क्लिनिक पर ले गए थे।

4 लाख के जेवर और 1 लाख लेकर भागी युवती

हरदोई। हरदोई में देहात कोतवाली क्षेत्र से 21 वर्षीय युवती के अपने प्रेमी के साथ चले जाने का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि युवती घर से करीब चार लाख रुपये के जेवर और एक लाख रुपये नकद भी साथ ले गई। मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की मां के अनुसार, घटना 9 जुलाई 2026 की सुबह करीब 11 बजे की है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र निवासी अनुराग शर्मा उर्फ लकी उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया।

हरदोई में विवाहिता ने की आत्महत्या

हरदोई। हरदोई के सांडी थाना क्षेत्र के चंसौरा गांव में शनिवार रात एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर की दूसरी मंजिल पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान 35 वर्षीय सुशीला के रूप में हुई है। उनके पति राजीव कुमार गोवा में एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत हैं और शनिवार सुबह ही गोवा से घर लौटे थे।

फल विक्रेता का शव फंदे से लटका मिला

संदिग्ध हालातों में मौत, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के शहर कोतवाली क्षेत्र के गदन खेड़ा मोहल्ले में रविवार सुबह एक 36 वर्षीय फल विक्रेता का शव उसके घर के अंदर फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक की पहचान विनोद (36) पुत्र राम जीवन के रूप में हुई है, जो गदन खेड़ा, थाना कोतवाली उन्नाव के निवासी थे। विनोद शहर में फल का ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह अपने दो भाइयों और तीन बहनों में दूसरे नंबर पर थे। परिजनों के अनुसार, रविवार सुबह करीब चार बजे उन्होंने घर के अंदर फांसी लगा ली। पुलिस ने शव

को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। रविवार दोपहर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि विनोद का अपनी पत्नी पुष्पा देवी से कुछ समय से घरेलू विवाद चल रहा था। हालांकि, उन्होंने किसी पर सीधे तौर पर आरोप नहीं लगाया और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। विनोद अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं, जिनमें एक बेटा और दो बेटियां शामिल हैं।

उन्नाव में अंतिम संस्कार, गार्ड ऑफ ऑनर दिया, ट्रेनिंग में तबीयत बिगड़ी थी

17 साल के एनडीए-कैडेट की मौत, पिता बोले-सब छिन गया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 17 साल के NDA कैडेट का रविवार दोपहर 12 बजे पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। हवाई फायरिंग के साथ गार्ड ऑफ ऑनर के बीच अंतिम विदाई दी गई। मिश्रा कॉलोनी मुक्तिधाम घाट पर मुखाग्नि देते वक्त पिता की आंखों से आंसू छलक पड़े। बेटे का सपना पूरा करना सबसे बड़ी भूल साबित हुई। मेरा सब कुछ छिन गया। अब हमारे पास कुछ नहीं बचा। 2 दिन पहले यानी 10 जुलाई को एनडीए कैडेट अभिनव बाजपेई का पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में ट्रेनिंग के दौरान मौत हो गई थी। सुबह फिजिकल ट्रेनिंग

(PT) के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। डॉक्टर्स का कहना है कि मौत की वजह हार्ट अटैक हो सकती है। हालांकि, सटीक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल सकेगा।

इससे पहले, रविवार सुबह एयर बस से अभिनव का पार्थिव शरीर लखनऊ लाया गया। फिर सड़क मार्ग से उन्नाव में गंगाघाट के नेहरू नगर स्थित आवास पहुंचा। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। तिरंगे में लिपटे बेटे का शव देखकर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

केंद्रीय विद्यालय से इंटर पास किया, 24 जून को एनडीए पहुंचा

अभिनव के पिता प्रदीप कुमार बाजपेई चार भाई हैं। सभी के बच्चों में अभिनव इकलौते बेटे थे। पिता कानपुर के सरकारी अस्पताल में वार्ड अर्दली हैं। मां सीमा बाजपेई गृहणी हैं। बहन अंशिका (25) कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में MBBS छात्रा हैं। अभिनव ने 2026 में केंद्रीय विद्यालय कैंट (कानपुर) से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की। इसके बाद उनका चयन देश की सबसे प्रतिष्ठित सैन्य प्रशिक्षण संस्थाओं में से एक राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में हुआ। 24 जून को ट्रेनिंग के लिए पुणे पहुंचा।

पिता बोले- बेटे के सपने का साथ देना मेरी सबसे बड़ी भूल

पिता प्रदीप कुमार बाजपेई ने रोते हुए कहा- मैं चाहता था कि मेरा बेटा डॉक्टर बने, क्योंकि मैं अस्पताल में काम करता हूं। लेकिन, वह एनडीए में शामिल होकर सेना में अधिकारी बनना चाहता था। देश की सेवा करना चाहता था। मैंने कभी अपनी इच्छा उस पर नहीं थोपी। कभी विरोध नहीं किया। लेकिन, आज लगता है कि उसके सपने का साथ देना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल थी। भगवान ने मुझसे सब कुछ छीन लिया। पिछले महीने मैं खुद ही बेटे को एनडीए छोड़ने पुणे गया था। अंतिम बार उसका मुस्कुराता चेहरा आंखों के सामने से जा ही नहीं रहा। उससे रोज बात होती थी। हमेशा कहता था- 'पापा, चिंता मत करो। मैं ठीक हूं। ट्रेनिंग मुश्किल है, लेकिन मजा आ रहा है।'

गंगा पुल परियोजना के लिए 37 मकान ध्वस्त

उन्नाव के मिश्रा कॉलोनी में जेसीबी से मलबा हटा रहे लोग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में कानपुर-शुक्लागंज के बीच निर्माणाधीन नए गंगा पुल परियोजना के लिए मिश्रा कॉलोनी में अधिग्रहित 37 मकानों को ध्वस्त कर दिया गया है। कुल 38 मकानों में से एक का ध्वस्तीकरण अभी बाकी है। अब ध्वस्त किए गए मकानों का मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। नए गंगा पुल का निर्माण कार्य इस वर्ष जनवरी में शुरू हुआ था। यह परियोजना कानपुर और शुक्लागंज दोनों छोरों पर तेजी से आगे बढ़ रही है। कानपुर की ओर सेतु निगम पिलर और पाइलिंग का कार्य युद्धस्तर पर कर रहा है। शुक्लागंज की मिश्रा कॉलोनी में

पुल के एप्रोच मार्ग के लिए कुल 38 मकानों को चिह्नित किया गया था। प्रभावित मकान मालिकों को नियमानुसार मुआवजा देने के बाद पिछले महीने से मकानों को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। शुक्रवार तक 37 मकानों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया। ध्वस्तीकरण के बाद पूरे इलाके में फैले मलबे को हटाने का काम अब तेजी से किया जा रहा है सेतु निगम के अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों से अपने मकानों का मलबा स्वयं हटाने को कहा है। इसके बाद कई परिवारों ने जेसीबी मशीनों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से मलबा हटाना शुरू कर दिया है। लोग ईंट, सरिया और अन्य निर्माण सामग्री को सुरक्षित स्थानों पर ले जा रहे हैं, ताकि भविष्य में उनका उपयोग किया जा सके। स्थानीय लोगों के सामने अब नए सिरे से आवास की व्यवस्था करने की चुनौती है। वहीं, सेतु निगम के अधिकारियों का कहना है कि मलबा हटने के बाद एप्रोच रोड और अन्य निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाएगी, ताकि परियोजना निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो सके।

विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया, पुलिस एफआईआर दर्ज की

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के शेखपुर नरी गांव में 38 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। मृतका की पहचान अलका अवस्थी (38) पत्नी विकास अवस्थी के रूप में हुई है। वह शेखपुर नरी, थाना कोतवाली उन्नाव की निवासी थीं। अलका की शादी 12 फरवरी 2016 को हुई थी और उनके दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और एक बेटी शामिल हैं। मृतका के भाई सत्येंद्र दीक्षित ने बताया कि शनिवार रात करीब 12:05 बजे ससुराल पक्ष से फोन पर सूचना मिली कि उनकी बहन ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही

परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। सत्येंद्र का आरोप है कि जब वे घटनास्थल पर पहुंचे, तो अलका का शव एंबुलेंस में रखा हुआ था और उन्हें घटना के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। रविवार दोपहर करीब एक बजे जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस पर सत्येंद्र दीक्षित ने मीडिया से बातचीत में अपनी बहन की मौत पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का नहीं, बल्कि हत्या का प्रतीत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बहन की हत्या कर उसे फांसी का रूप देने का प्रयास किया गया है।

> **भाई ने बताया कि घर-परिवार में सामान्य घरेलू विवाद होते रहते थे, लेकिन ऐसी कोई गंभीर बात उनके संज्ञान में नहीं थी, जिससे आत्महत्या जैसी स्थिति पैदा हो। उन्होंने यह भी बताया कि घटना वाले दिन सुबह उनकी बड़ी बहन अलका से मिलने गई थी और उस समय अलका ने किसी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया था। मायके पक्ष ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।**

उनका कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष होगी तो पूरे मामले की सच्चाई सामने आ जाएगी और दोषियों को सजा मिलेगी। इंस्पेक्टर क्राइम राजेश यादव ने बताया कि मायके पक्ष की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन जांच की जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आयोजन : उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने पौधरोपण का शुभारंभ किया

85 लाख से अधिक पौधे रोपे गए

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले में रविवार को वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का मुख्य कार्यक्रम लखनऊ चुंगी स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में आयोजित हुआ। प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पवित्र हरिशंकरी (पीपल, पाकड़ और बरगद) का पौधा रोपकर महाअभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती समेत जिले के कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10:45 बजे हुई, जो दोपहर करीब 12 बजे तक चला। इस दौरान परिसर में महोगनी, अशोक, पीपल, कचनार, गुलमोहर, बॉटलब्रश, कदम्ब, नींबू और अमरूद सहित कई प्रजातियों के पौधे लगाए गए। अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आह्वान किया। विहिप और बजरंग दल ने भी किया पौधरोपण वृहद अभियान के तहत विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भी शहर के बेलाताली परिसर में पौधे लगाए। कार्यक्रम में हिमांशु, कैलाश, सचिन, डॉ. जगत पाल, सुमित, गौरव त्रिवेदी, अक्षत और प्रांजल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। वन विभाग समेत शासन के 24 विभागों ने आपसी समन्वय से शहर, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधरोपण कर इस लक्ष्य को पूरा किया।

> **मुख्य अतिथि रजनी तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि पौधा लगाना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन को संरक्षण देना है। उन्होंने लोगों से लगाए गए पौधों की सुरक्षा और पोषण का संकल्प लेने तथा दूसरों को भी इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि मां की तरह पेड़ का भी हमारे जीवन में महत्व है।**

जिलाधिकारी और एसपी ने किया अतिथियों का सम्मान

कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुनय झा ने मुख्य अतिथि रजनी तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। वहीं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। डीएफओ जेबी शिंदे ने बताया कि 12 जुलाई को पूरे जनपद में 85,13,700 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। वन विभाग समेत शासन के 24 विभागों ने आपसी समन्वय से शहर, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधरोपण कर इस लक्ष्य को पूरा किया।

कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य अवनीश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, मुख्य विकास अधिकारी नेहा व्याडवाल, अपर जिलाधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार, एसडीएम सदर संजय कुमार अग्रहरी, एसडीएम शाहाबाद एसके मिश्रा सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने बिहार की भटकी महिला को परिजनों से मिलाया

हरदोई में मिली महिला, बेटे को सुपुर्द कर घर भेजा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के कछौना थाना क्षेत्र की इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 चौकी पुलिस ने रविवार दोपहर 3 बजे बिहार के कटिहार जिले की एक भटकी महिला को उसके परिजनों से मिलवाया। पुलिस की तत्परता और लगातार प्रयासों के चलते महिला सुरक्षित अपने घर लौट सकी। जानकारी के अनुसार, कालिया देवी (पत्नी सत्यनारायण मंडल), निवासी फसिया टोला, पोस्ट तीनगछिया, जिला कटिहार (बिहार) कुछ दिन पहले भटकते हुए हरदोई के कछौना थाना क्षेत्र में पहुंच गई थीं। स्थानीय लोगों की सूचना पर इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 चौकी पुलिस ने महिला को अपनी सुरक्षा में लिया। इसके बाद पुलिस ने

महिला की पहचान स्थापित करने और उनके परिजनों तक पहुंचने के लिए लगातार प्रयास शुरू किए। काफी प्रयासों के बाद पुलिस महिला के परिजनों से संपर्क स्थापित करने में सफल रही। सूचना मिलने पर शनिवार को महिला का बेटा रामानंद मंडल इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 चौकी पहुंचा। पुलिस ने आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन और औपचारिकताएं पूरी करने के बाद महिला को सुरक्षित उसके बेटे के सुपुर्द कर दिया। इस कार्य में इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 चौकी प्रभारी आकांक्षा सिंह, दीवान उदयवीर सिंह और पुलिसकर्मी अवनीश यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला के सकुशल मिलने पर उसके परिजनों ने कछौना पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना की।

सम्पादकीय

भाजपा का प्रत्याशी चयन

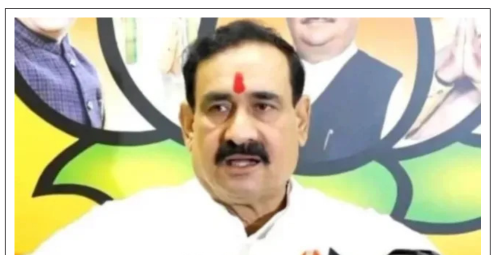

बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को जिस तरह प्रत्याशी बदलना पड़ा और मध्य प्रदेश में दतिया विधानसभा उपचुनाव में खुद को संभावित प्रत्याशी मान रहे पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों के विद्रोह का सामना करना पड़ा, उससे उभरे सवाल पार्टी को असहज करने वाले हैं।

चूंकि बांकीपुर विधानसभा सीट भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य बनने से रिक्त हुई है, इसलिए यहां होने वाले विधानसभा उपचुनाव की महत्ता बढ़ गई है। पहले भाजपा ने यहां से अभिषेक कुमार को प्रत्याशी बनाया, लेकिन उन्होंने यकायक यह कहकर अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली कि पारिवारिक कारणों से वे चुनाव लड़ने में असमर्थ हैं। इसके बाद यहां से नीरज कुमार सिन्हा को प्रत्याशी घोषित किया गया। क्या यह विचित्र नहीं कि मात्र एक विधानसभा सीट के लिए भाजपा अपने प्रत्याशी का चयन सही तरह नहीं कर सकी? यह समझना कठिन है कि अभिषेक कुमार के सामने अचानक ऐसी क्या पारिवारिक परिस्थिति आ गई कि वे चुनाव लड़ने से पीछे हट गए?

यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि को लेकर इसी सीट से चुनाव लड़ रहे जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी प्रशांत किशोर एक प्रेस कांफ्रेंस करने की तैयारी कर रहे थे और इसकी भनक लगते ही भाजपा ने प्रत्याशी बदलने का फैसला कर लिया।

पता नहीं सच क्या है, लेकिन प्रश्न यह है कि आखिर जो बात प्रशांत किशोर को ज्ञात थी, क्या वह भाजपा नेतृत्व और विशेष रूप से इसी सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन को पता नहीं थी?

मध्य प्रदेश में दतिया विधानसभा क्षेत्र का मामला बांकीपुर से अलग है। यहां से पिछले चुनाव में पराजित भाजपा नेता और पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा यह मानकर चल रहे थे कि उन्हें ही उम्मीदवार बनाया जाएगा। उन्होंने अपना प्रचार भी शुरू कर दिया था, लेकिन जब उनके नाम की घोषणा नहीं हुई तो उनके समर्थक विद्रोह पर उतर आए।

उन्होंने सड़क जाम करने के साथ धरना-प्रदर्शन भी किया और पत्थरबाजी भी की। नरोत्तम मिश्रा के समर्थन में कई भाजपा पदाधिकारियों ने त्यागपत्र भी दे दिए। हालांकि हंगामा शांत होने के बाद नरोत्तम मिश्रा अपने समर्थकों के रवैये को सही नहीं ठहरा रहे हैं, लेकिन जो कुछ हुआ, उससे पार्टी की फजीहत तो हुई ही।

यह ठीक है कि भाजपा का तेजी से विस्तार हो रहा है और जहां वह सशक्त है, वहां चुनाव लड़ने वालों की कतार लग जाती है, लेकिन दतिया का मामला औरों से अलग होने के उसके दावे पर प्रश्नचिह्न खड़े करता है। यदि भाजपा औरों से अलग एवं अनुशासित दल की अपनी छवि बनाए रखना चाहती है तो उसे प्रत्याशी चयन की कोई लोकतांत्रिक एवं नीर-क्षीर व्यवस्था बनानी ही होगी।

गलती मान लेना माने हल्का हो जाना

गलतीं मान लेना मतलब की आज के समय में सोच पर प्रहार कर दिया हो । होता क्या हैं की मानव ग़लती तो करते हैं और ग़लती करके दूसरे पर थोप कर ख़ुद उजले -उजले रहते हैं व आश्चर्य की बात की ग़लती करने वाला जानबूझ कर दूसरे को ही ग़लत कहता रहता हैं व स्वयं उजला हो जाता हैं व आगे बढ़ता रहता हैं लोग उसको सहराते हैं की यह मानव कितना अच्छा हैं । गलती को छुपाने के लिये दूसरी गलती करते हैं झूठ पे झूठ बोल जाते है । जब इंसान एक झूठ बोलता है तो फिर उसकी सफ़ाई में कई और झूठ बोलने पड़ते हैं वो बोलते है । एक तो गलती की,फिर झूठ बोला ।क्यो ? कैसे भी हो ? हमारी गलती इंच भर भी उजागर ना होनी चाहिये । आज के समय में और चाहिये ही क्या ? यही चाहिये सबको । यही आगे बढ़े लोग जो सभा , संस्थान आदि में मुखिया आदि पद पर आकर अपनी व परिवार की स्वार्थ सिद्धी करते हैं । पद की गरिमा अनुसार कार्य हो या नहीं हो परन्तु अपना स्वार्थ वो ज़रूर पूरा कर जातें हैं । ऐसे लोगों के कारण ही सही मानव आगे बढ़ कर सभा , संस्थान आदि में मुखिया आदि पद पर नहीं आना चाहता हैं व इससे दूर रहना चाहता हैं । ऐसे लोगों के दबदबे से यह सोच सही भी हैं । ध्यान में सबके सब कूछ आता भी है व रहता भी हैं । इस तरह की वर्तमान स्थिति सुखद नहीं हैं व चिंतनीय हैं । जबकि ग़लती तो सभी से होती हैं जो की स्वभाविक भी हैं लेकिन जो सरलता व ऋजूता धारक आदि होते हैं वो ही अविलंभ या समझते ही अपनी ग़लती को मान कर उससे आगे बचने या नहीं करने का संकल्प ले आगे बढ़ते हैं व परिणाम भी प्राप्त करते हैं । ग़लती करके भी मानव सिखता हैं कोई - कोई तो बिना ग़लती के भी सिख लेते हैं । पिता पुत्र के बड़े होने पर कूछ रुपये पकड़ाता हैं जाओ यह रुपये लो और इससे कूछ कार्य करके दिखावों ।

› प्रदीप छाजेड़

कूटनीति के कैनवास पर भारत का उभरता नया स्वरूप

> सुरक्षा के मोर्चे पर इससे भी बड़ी रणनीतिक सफलता सुदूर इंडोनेशियाई द्वीप पर स्थित साबांग बंदरगाह के संयुक्त विकास को लेकर बनी सहमति है। मलक्का जलडमरूमध्य के ठीक मुहाने पर स्थित साबांग बंदरगाह का रणनीतिक महत्व अद्वितीय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटे हैं। वे इन देशों से भारत के लिए रक्षा व सुरक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, तकनीक, शिक्षा और समुद्री सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण समझौते लाए हैं। आज जब वैश्विक भू-राजनीति के वर्तमान दौर में, महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की होड़ मची है और पारंपरिक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बिखराव के दौर से गुजर रही हैं, तब किसी देश की विदेश नीति की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को कितनी कुशलता से सुरक्षित करता है। इस संदर्भ में, विदेश मंत्रालय द्वारा रेखांकित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का छह दिवसीय त्रिकोणीय दौरा भारत की समकालीन विदेश नीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है। 6 से 11 जुलाई तक चले इस सघन राजनयिक अभियान ने न केवल भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को नई ऊर्जा दी है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' (सुरक्षा प्रदाता) और एक अपरिहार्य आर्थिक धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है। यह दौरा महज कुछ द्विपक्षीय बैठकों या औपचारिक समझौतों का पुलिंदा नहीं था। इसे भारत के दूरगामी रणनीतिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से 'विज़न महासागर' के धरातल पर क्रियान्वयन के रूप में देखा जाना चाहिए। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड—ये तीनों देश हिंद-प्रशांत की उस समुद्री भूगोल पर स्थित हैं, जहां से भारत के दो-तिहाई व्यापार और ऊर्जा मार्ग गुजरते हैं। इस यात्रा के जरिए भारत ने रक्षा निर्यात, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा के नए मार्ग और मुक्त व्यापार समझौतों का ऐसा मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया है, जो आने वाले दशकों में देश को $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर एक विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। दौरे के पहले पड़ाव के रूप में जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता भारत के रक्षा इतिहास में एक नया अध्याय लिख गई। भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के शानदार 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक मोड़ पर हुए इस दौरे ने दोनों देशों की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नए आयाम दिए हैं। सबसे बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता इंडोनेशिया के साथ लगभग 5,400 करोड़ रुपये के ब्रह्मोस मिसाइल और तटीय रक्षा प्रणालियों के सौदे पर हुई ठोस प्रगति है। कभी दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा भारत आज अपनी स्वदेशी मिसाइल तकनीक को दक्षिण-पूर्वी एशिया के सबसे बड़े देश को निर्यात करने की दहलीज पर खड़ा है। यह सौदा न केवल भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र की वैश्विक साख को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार साबित होगा। दुनिया का अधिकांश समुद्री व्यापार इसी पतले जलमार्ग से होता है। साबांग में भारत की आर्थिक और तकनीकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यह है कि भारत अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से परे, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के मिलन बिंदु पर अपनी पैनी नजर रख सकेगा। यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी एकतरफा सैन्य दबदबे या विस्तारवादी नीति को संतुलित करने के लिए भारत का एक मजबूत और शांतिपूर्ण कूटनीतिक जवाब है।

यात्रा के दूसरे चरण में मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच हुई बातचीत पूरी तरह से भविष्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित रही। इस पड़ाव की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि वह नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौता रहा, जो पिछले दो वर्षों से लंबित वार्ताओं के बाद आखिरकार अमलीजामा पहन सका। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को व्यावसायिक रूप से यूरेनियम की निर्बाध आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए यह ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम रीढ़ की हड्डी साबित होगा। यह भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है।

इसके साथ ही, डिजिटल और तकनीकी क्रांति के इस युग में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्रिटिकल मिनरल्स' यानी महत्वपूर्ण खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल) की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए ठोस रणनीतिक साझेदारी की है। आज जब भारत इलेक्ट्रिक वाहनों , सेमीकंडक्टर और सौर पैनल निर्माण का वैश्विक हब बनने की ओर अग्रसर है, तब इन खनिजों पर से किसी एक देश के एकाधिकार को तोड़ना बेहद जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया के विशाल खनिज भंडार तक भारत की सीधी पहुंच घरेलू उद्योगों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के तटीय रक्षकों और नौसेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों के लिए हुआ नया समन्वय हिंद-प्रशांत की समुद्री सुरक्षा को एक सामूहिक सुरक्षा छतरी प्रदान करता है। मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में उमड़ा भारतीय प्रवासियों का जनसैलाब, जिसे प्रधानमंत्री अल्बनीज ने दोनों देशों को जोड़ने वाला 'लिविंग ब्रिज' कहा, यह साबित करता है कि ऑस्ट्रेलिया की समृद्धि और नीति-निर्माण में भारतीय समुदाय अब एक निर्णायक भूमिका में आ चुका है।

दौरे का अंतिम और सबसे अनूठा पड़ाव न्यूज़ीलैंड रहा। यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूज़ीलैंड की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। ऑकलैंड में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के साथ हुई व्यापक बैठकों के बाद दोनों देशों के संबंधों को औपचारिक रूप से 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) के सर्वोच्च स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया। चार दशकों की इस राजनयिक दूरी को खत्म करते हुए भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह प्रशांत महासागर के सुदूर कोनों में भी अपने हितों को लेकर बेहद गंभीर है।

- अशोक भाटिया

हार के डर और सत्ता...

राजेश श्रीवास्तव

चुनावी मोड में यूपी : अबकी लड़ाई हार्ड और साफ्ट हिंदुत्व की

पिछले लगभग एक महीने से उत्तर प्रदेश की सियासत का माहौल बदला हुआ है। मुख्मयंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों पूरे उत्तर प्रदेश को मथ रहे हैं, एक-एक दिन में वह दो-दो जिलों में जनसभायें कर रहे हैं। मानों विधानसभा चुनाव चल रहा हो। आखिर ऐसा क्या हो गया है चुनाव की मुनादी नहीं हुई और न ही चुनाव समय से पहले होने का आसार नजर आ रहे हैं। तो दरअसल ऐसा क्या हो गया कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव 2०27 के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभी से पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुके हैं। उन्होंने अपनी रणनीति को धार देने और कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए धुआंधार जिलों के दौरे शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही, मंत्रियों को जिलों के प्रभार सौंपकर सांगठनिक फ़ेरबदल भी किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए कई ठोस कदम उठाए हैं। सीएम योगी लगातार प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में जनसभाएं और प्रबुद्ध सम्मेलनों को संबोधित कर रहे हैं। चुनावी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए, मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और प्रभारी मंत्रियों के जिलों में बड़ा फ़ेरबदल किया है, ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन और जमीनी पकड़ मजबूत हो सके। चुनाव से पहले सीएम योगी एक बार फिर अपने

आक्रामक तेवर और 'हार्ड हिदुत्व' की रणनीति में लौट आए हैं। 2०27 के महासमर को जीतने के लिए भाजपा और सरकार 'गौ, गुंडा, गन्ना, गंगा और गाजियाबाद' जैसे मुद्दों पर फोकस कर रही है। इस सब के बीच, भारतीय जनता पार्टी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि 2०27 के यूपी विधानसभा चुनाव में सीएम योगी ही पार्टी का मुख्य चेहरा होंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'चुनावी मोड' में सक्रिय होने के पीछे 2०27 के यूपी विधानसभा चुनाव की बड़ी तैयारियां हैं। हार के डर और सत्ता विरोधी रुझान को खत्म करने के लिए पार्टी ने नया ब्लू-प्रिंट तैयार किया है। भारतीय जनता पार्टी ने सीएम योगी के नेतृत्व में 2०27 के चुनाव का ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया है। विपक्ष खासकर समाजवादी पार्टी की जातियों की गिनती, पीडीए और 'प्लान 1००' की काट के लिए योगी ने आक्रामक हिदुत्व और विकास का फॉर्मूला लागू किया है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने अयोध्या में पुराने विवादों और तुष्टिकरण की राजनीति को लेकर सपा और कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। वे विपक्षी दलों को जनता के सामने बेनकाब करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। दरअसल 2०24 के आम चुनाव में यूपी के नतीजों ने बीजेपी को सतर्क कर दिया है। इसे देखते हुए पार्टी 2०27 में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती और अभी से जमीनी पकड़ मजबूत कर रही है। योगी लगातार जनसभाएं, 'जनता दर्शन' और करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का उद्घाटन करके जनता के बीच सीधे पहुंच बना रहे हैं। हाल ही में उन्होंने 'पौधरोपण महायज्ञ-2०26' जैसे बड़े अभियानों का भी शुभारंभ किया है। कुल मिलाकर, वे चुनावी हार के जोखिमों को टालने और पार्टी संगठन को पूरी तरह एक्टिव रखने के लिए अभी से चुनावी मोड में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। पार्टी राज्य में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस लगातार राज्य के मुद्दों, कानून-व्यवस्था और जातिगत राजनीति को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। इसका करारा जवाब देने के लिए योगी ने राजनीतिक रैलियों और बयानों का रुख अपना लिया है। आगामी स्थानीय और बड़े चुनावों के मद्देनजर भाजपा का फोकस हिदुत्व, सुरक्षा और विकास के 'योगी मॉडल' को जनता के बीच रखने पर है। अयोध्या के हनुमानगढ़ी विवाद और वक्फ बोर्ड जैसे मुद्दों पर योगी के आक्रामक रुख इसी चुनावी रणनीति का हिस्सा हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों को निर्देश देकर बूथ-स्तर और सांगठनिक स्तर पर सक्रिय होने के निर्देश दिए हैं, ताकि पिछले कुछ चुनावों में आए उतार-चढ़ाव से सीख लेकर स्थिति मजबूत की जा सके । उधर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव भी इन समीकरणों से अनजान नहीं हैं. वह भी सीधे हमलावर हैं। इन दिनों उन्होंने योगी के हार्ड हिंदुत्व के जवाब में साफ्ट हिंदुत्व को हथियार बनाया है। उन्हें लगता है कि इसके सहारे वह यूपी की 2०27 के विधानसभा चुनाव की वैतरिणी पार कर लेंगे।

तस्वीरों में दर्ज समय का सत्य

इतिहास केवल लिखा नहीं जाता, वह देखा भी जाता है। कई बार किसी युग को समझने के लिए इतिहासकारों की पुस्तकों से अधिक विश्वसनीय वे छवियाँ होती हैं, जो अपने समय की अनायास साक्षी बन जाती हैं। शब्द इतिहास की व्याख्या करते हैं, जबकि तस्वीरें इतिहास की उपस्थिति का प्रमाण बनती हैं। यही कारण है कि आधुनिक इतिहास-लेखन में दृश्य-संस्कृति और फोटो पत्रकारिता का महत्व लगातार बढ़ा है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि किसी समाज की सामूहिक स्मृति केवल दस्तावेज़ों, संस्मरणों और सरकारी अभिलेखों से निर्मित नहीं होती; उसमें कैमरे की आँख से दर्ज दृश्य भी उतने ही निर्णायक होते हैं। भारतीय भाषाओं में फोटो पत्रकारिता पर गंभीर पुस्तकों का अभाव लंबे समय से महसूस किया जाता रहा है। पत्रकारों के संस्मरण तो उपलब्ध हैं, किंतु कैमरे के पीछे खड़े उस व्यक्ति की दृष्टि, संवेदना और इतिहास-बोध पर बहुत कम काम हुआ है, जिसने घटनाओं को दृश्य रूप में संरक्षित किया। इसी संदर्भ में रोहित कांत द्वारा संपादित 'द फोटो जर्नलिस्टः अ मेमॉयर ऑफ लेट राजीव कांत' तथा 'बिहार के छायाकार : स्व. राजीव कांत की छाया स्मृति' का प्रकाशन केवल एक पारिवारिक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि भारतीय पत्रकारिता और दृश्य इतिहास के संरक्षण का उल्लेखनीय सांस्कृतिक उपक्रम है। इन पुस्तकों को पढ़ते हुए सबसे पहले यह अनुभव होता है कि वे किसी व्यक्ति-विशेष का महिमामंडन नहीं करतीं, बल्कि एक पूरे दौर की पत्रकारिता की कार्य-संस्कृति को पुनर्जीवित करती हैं। यह वह समय था जब समाचार की विश्वसनीयता कैमरे के फ्रेम में तय होती थी, जब एक तस्वीर के लिए कई घंटे प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, जब नेगेटिव की सीमित रील में हर क्लिक की कीमत होती थी, और जब फोटो पत्रकारिता तकनीकी कौशल से अधिक धैर्य, संवेदना और नैतिक जिम्मेदारी का प्रश्न थी। आज के डिजिटल युग में, जहाँ छवियाँ क्षणों में बनती और विस्मृत हो जाती हैं, वहाँ ये पुस्तकें हमें उस पत्रकारिता की याद दिलाती हैं जिसमें तस्वीरें खबर से अधिक इतिहास का हिस्सा बनती थीं।

राजीव कांत की विशेषता केवल यह नहीं थी कि उन्होंने अनेक ऐतिहासिक व्यक्तित्वों की तस्वीरें खींचीं। उनकी वास्तविक पहचान इस बात में है कि उन्होंने सत्ता और समाज के बीच के संबंधों को कैमरे की दृष्टि से समझा। उनके यहाँ जयप्रकाश नारायण, कर्पूरी ठाकुर, इंदिरा गांधी, चंद्रशेखर या जॉर्ज फर्नांडिस जितने महत्त्वपूर्ण हैं, उतना ही महत्त्व एक किसान, नाविक, मजदूर, लोक कलाकार या मेले में उमड़ी भीड़ का भी है। यह दृष्टि उन्हें सत्ता-केंद्रित फोटो पत्रकारिता से अलग करती है। वे घटनाओं के नहीं, समय के छायाकार हैं। यहीं से इन पुस्तकों का वैचारिक महत्व आरंभ होता है। वे केवल दुर्लभ तस्वीरों का संग्रह नहीं हैं; वे इस प्रश्न को भी सामने लाती हैं कि इतिहास किन चेहरों को याद रखता है और किन्हें भुला देता है। राजीव कांत के कैमरे में बार-बार लौटकर आने वाला आम आदमी दरअसल उसी विस्मृत इतिहास का प्रतिनिधि है, जिसे प्रायः मुख्यधारा की राजनीति और इतिहास-लेखन में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। इस अर्थ में उनकी तस्वीरें लोकतांत्रिक हैं। वे सत्ता के वैभव से अधिक समाज की धड़कनों को दर्ज करती हैं। इन दोनों पुस्तकों का एक और महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि वे दृश्य-स्मृति को निजी संग्रह से निकालकर सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाती हैं। भारत में दृश्य अभिलेखों के संरक्षण की संस्कृति अभी भी पर्याप्त विकसित नहीं हो सकी है। अनेक महत्त्वपूर्ण फोटो पत्रकारों के नेगेटिव समय के साथ नष्ट हो गए या निजी अलमारियों में बंद रह गए।

जरा हटके

आपातकालीन सेवाओं ...

अखिलेश मणि त्रिपाठी

> 108 ई.एम.टी.एस. एम्बुलेंस सेवा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की जीवनरेखा है

जीवन अनिश्चितताओं से भरा है। सड़क दुर्घटना, अचानक हृदयाघात, गंभीर बीमारी अथवा प्रसव जैसी आपातकालीन परिस्थितियां किसी भी व्यक्ति और परिवार के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती हैं। ऐसे समय में चिकित्सा सहायता का हर एक मिनट अमूल्य होता है, क्योंकि समय पर उपचार ही कई बार जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करता है। इसी आवश्यकता को समझते हुए उत्तर प्रदेश में संचालित 108 ई.एम.टी.एस. (इमरजेंसी मेडिकल ट्रांसपोर्ट सर्विस) एम्बुलेंस सेवा आज करोड़ों लोगों के लिए भरोसे, सुरक्षा और जीवन रक्षा का पर्याय बन चुकी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, त्वरित और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। 108 एम्बुलेंस सेवा इसी संवेदनशील और जनकल्याणकारी सोच का सशक्त उदाहरण है, जिसने संकट की घड़ी में लाखों परिवारों को नई उम्मीद दी है। स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक सफलता केवल आधुनिक अस्पतालों या चिकित्सकों की उपलब्धता से नहीं, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि आपातकाल की स्थिति में मरीज तक चिकित्सा सहायता कितनी शीघ्र पहुंचती है। विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए समय पर एम्बुलेंस की उपलब्धता किसी वरदान से कम नहीं होती। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 108 ई.एम.टी.एस. सेवा को एक

ऐसी समर्पित आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था के रूप में विकसित किया गया है, जो चौबीसों घंटे, वर्ष के सभी 365 दिन बिना किसी भेदभाव के आमजन की सेवा में तत्पर रहती है। यह व्यवस्था पूरी तरह एकीकृत कॉल सेंटर आधारित प्रणाली पर संचालित होती है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक दुर्घटना, गंभीर बीमारी, हृदयाघात, प्रसव पीड़ा अथवा अन्य चिकित्सा आपातकाल की स्थिति में केवल टोल-फ्री नंबर 108 डायल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकता है। सूचना प्राप्त होते ही अत्याधुनिक संचार प्रणाली के माध्यम से निकटतम एम्बुलेंस को मौके के लिए रवाना किया जाता है, जिससे मरीज तक कम से कम समय में चिकित्सा सहायता पहुंचाई जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने समय के साथ इस सेवा को और अधिक प्रभावी, तेज और उत्तरदायी बनाने के लिए इसके संचालन तंत्र में निरंतर सुधार किए हैं। सेवा के प्रारंभिक चरण में शहरी क्षेत्रों में एम्बुलेंस के 20 मिनट तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। लेकिन जुलाई 2019 से लागू नए संचालन मॉडल के अंतर्गत इस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया तथा शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लिए अधिकतम 15 मिनट का रिस्पॉन्स टाइम निर्धारित किया गया। बेहतर तकनीक, आधुनिक प्रबंधन प्रणाली, प्रभावी निगरानी और प्रशासनिक दक्षता के परिणामस्वरूप जनवरी 2025 तक इस सेवा का वास्तविक औसत रिस्पॉन्स टाइम घटकर केवल 7.30 मिनट रह गया, जो निर्धारित मानक से भी कहीं अधिक बेहतर उपलब्धि है। यह सुधार इस बात का प्रमाण है कि समयबद्ध चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

आपातकालीन सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने के लिए एम्बुलेंस बेड़े का भी व्यापक विस्तार किया गया है। सेवा के शुरुआती वर्षों में जहां प्रदेश में 1,488 एम्बुलेंस संचालित थीं, वहीं वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर 2,200 हो गई है। इसी प्रकार प्रत्येक एम्बुलेंस द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले औसत फेरों (ट्रिप्स) की संख्या 4 से बढ़ाकर 5 कर दी गई है। संसाधनों में यह वृद्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे प्रदेश के अधिक से अधिक नागरिकों तक समयबद्ध चिकित्सा सहायता पहुंचाना संभव हुआ है। बढ़ती जनसंख्या और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए यह विस्तार सरकार की दूरदर्शी कार्ययोजना को भी दर्शाता है।

108 ई.एम.टी.एस. सेवा की सबसे बड़ी सफलता उन करोड़ों लोगों की जिंदगी में दिखाई देती है जिन्हें समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सकी। अपनी स्थापना, से लेकर जनवरी 2026, तक यह सेवा लगभग 3.60 करोड़ रोगियों तक पहुंचकर उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने और आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी है। यह संख्या केवल सेवा के व्यापक विस्तार का परिचायक नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों के विश्वास की भी कहानी है जिनके लिए यह एम्बुलेंस संकट की घड़ी में जीवन की नई आशा बनकर पहुंची। इस सेवा का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है। विशेष रूप से गरीब, ग्रामीण, बुजुर्ग, महिलाएं, नवजात शिशु और गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए यह सेवा किसी जीवनदायिनी व्यवस्था से कम नहीं है। दूरस्थ क्षेत्रों में जहां निजी चिकित्सा सुविधाएं सीमित हैं, वहां 108 एम्बुलेंस लोगों और अस्पतालों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य कर रही है। इससे न केवल समय पर उपचार सुनिश्चित हुआ है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आमजन का विश्वास भी लगातार मजबूत हुआ है।

मैकेनिक की मौत, लाश घर के बाहर फेंकी

पत्नी शव से लिपटकर बेहोश हुई, बेटी पुलिस से बोली- पड़ोसी को बाहर निकालो

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में एक मैकेनिक की लाश उनके घर के बाहर पड़ी मिली। उनके पैर पर चोट के निशान थे। घरवालों ने पड़ोसी पर हत्या करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पड़ोसी पर 4 लाख रुपए उधार थे। वह सुबह रुपए मांगने गए थे। तभी पड़ोसी ने उनकी हत्या कर शव घर के बाहर फेंक दिया। गुस्साए घरवालों ने आरोपी का घर घेर लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लोगों को समझाने की कोशिश की। लेकिन, हंगामा बढ़ गया। मैकेनिक की पत्नी और बेटी आरोपी के घर के बाहर हंगामा करते-करते बेहोश हो गईं। इस बीच, पुलिस ने आरोपी के घर के बाहर सुरक्षा घेरा बना दिया। लोगों ने

दिनेश शर्मा, मृतक

पुलिस से धक्का-मुक्की और नोकझोंक भी की। करीब 3 घंटे बाद पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज पाई। आरोपी पड़ोसी को हिरासत में लिया। मामला ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के भगवती बाग क्षेत्र का रविवार सुबह 10:30 बजे है। भीड़ को हंगामा करते देखकर पुलिसकर्मियों ने आरोपी के घर के बाहर एक-दूसरे का हाथ पकड़कर सुरक्षा घेरा बनाया। फाउंड्री नगर के रहने वाले दिनेश शर्मा (55) पेशे से मैकेनिक थे। वह मशीनों की मरम्मत का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी मंजू शर्मा (52), 2 बेटे और 2 बेटियां हैं। बड़े बेटे विष्णु शर्मा (30) और बेटी प्रिंसी शर्मा (24) की शादी हो चुकी है। दूसरा बेटा आकाश (22) और छोटी बेटी रश्मि (20) घर पर ही रहते हैं। रविवार सुबह करीब 10 बजे दिनेश का शव उनके घर के बाहर पड़ा मिला। उनके पैर पर चोट के निशान भी थे। परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घरवाले शव लेकर घर लौटे और पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। पड़ोसी को घर से बाहर निकालकर अपने हवाले करने की मांग करने लगे।

100 मीटर की दूर रहने वाले पड़ोसी पर हत्या का आरोप

दिनेश के घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर उदय अग्रवाल उर्फ कुल्ली का मकान है। उदय स्टेशनरी की दुकान चलाता है। दिनेश की पत्नी मंजू शर्मा ने बताया- उदय ब्याज पर रुपए देता है। मेरे पति ने उदय को 4 लाख रुपए उधार दिए थे। आज सुबह करीब 9 बजे वह अपनी उधारी मांगने उसके घर गए थे। करीब डेढ़ घंटे बाद पति दिनेश का शव उनके घर के बाहर दरवाजे के पास पड़ा मिला। घरवालों का आरोप है कि दिनेश को पीटने के बाद शव को बाहर फेंका गया है। उदय का ब्याज का बहुत बड़ा काम है। उसके छोटे भाई ओम प्रकाश उर्फ धुरिया ने 15 साल पहले गोली मारकर एक हत्या भी की थी।

> “ एसीपी श्वेता ने बताया- थाना ट्रांस यमुना के टेडी बगिया क्षेत्र में दिनेश शर्मा पड़ोसी उदय के घर अपने रुपए मांगने गए थे। दोनों पक्षों के बीच हुई कहासुनी और धक्का-मुक्की में दिनेश की गिरने से मौत हो गई। सूचना पर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी ने पति के पैर में चोट के निशान दिखाते हुए आरोप लगाया कि हत्या कर शव फेंका गया।

पड़ोसी को बाहर निकालने की मांग पर अड़ा परिवार

दिनेश की मौत से गुस्साए बेटे-बेटियों ने आरोपी के घर को घेर लिया। उसे बाहर निकलने को कहने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एंबुलेंस में रखवाया। लेकिन, घरवालों ने एंबुलेंस को जाने नहीं दिया। उन्होंने मांग की कि आरोपी को उनके हवाले किया जाए।

वंदे भारत में यूपी कांग्रेस प्रभारी को दिया घटिया दूध

बोले- किराया प्रीमियम और दूध केमिकल जैसा

तमसा संकेत, एजेंसी

देश की प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस (22470) में घटिया दूध परोसने का आरोप लगा है। दरअसल, यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम शनिवार को हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) से झांसी जा रही इस हाई-प्रोफाइल ट्रेन में सफर कर रहे थे। गौतम को जो दूध परोसा गया, उसकी क्वॉलिटी बेहद खराब थी। राजेंद्र पाल ने इसके वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किए हैं। कांग्रेस ने भी अपने सोशल मीडिया पेज पर इसे पोस्ट करते हुए कहा कि किराया प्रीमियम जैसा और दूध केमिकल जैसा परोसा जा रहा है। यात्रा में उनके साथ यूपी कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष बृजलाल खाबरी भी मौजूद थे। राजेंद्र पाल गौतम और बृजलाल खाबरी शनिवार को दो अन्य लोगों के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस (22470) से सफर कर

रहे थे। चारों नेता ट्रेन के कोच E2 (सीट संख्या 1, 2, 3, 4) में थे। ट्रेन में इन लोगों को दूध दिया गया। दूध की घटिया क्वॉलिटी को देखकर राजेंद्र पाल गौतम ने खुद इसका वीडियो बनाया। फिर यात्रियों की सेहत के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को उजागर करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसके अलावा उन्होंन PNR नंबर-2955075897 के जरिए रेल मंत्री और आईआरसीटीसी (IRCTC) को सोशल मीडिया पर टैग करते हुए इस गंभीर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई।

फास्ट न्यूज

बेटी के जन्म से पहले पिता की मौत, पत्नी बेखबर

हमीरपुर। हमीरपुर में सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। पिता बनने से महज दो घंटे पहले एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। हादसे में मामा की भी जान चली गई, जबकि एक अन्य रिश्तेदार घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक, युवक की गर्भवती पत्नी अस्पताल में भर्ती थी। उसे देखने के लिए वह अपने साले और एक अन्य रिश्तेदार के साथ साढ़ू के घर से अस्पताल के लिए निकला।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

कोल। अलीगढ़ के छर्रा थानाक्षेत्र में एक 14 साल की किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। परिजन ने इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ शिकायत की थी। पुलिस ने उनके खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर दोनों को अरेस्ट कर लिया है। परिजनों के अनुसार, किशोरी शनिवार शाम करीब 5 बजे सब्जी लेने घर से निकली थी, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटी। परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान एक राहगीर ने बताया कि दो युवक किशोरी को गांव के बाहर ले जाते हुए देखे गए थे।

एआई इंजीनियर ने किया गर्लफ्रेंड का मर्डर

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) इंजीनियर ने अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या कर खुद भी सुसाइड कर लिया। युवक का शव रेलवे ट्रैक पर दो टुकड़ों में पड़ा मिला। इसका खुलासा तब हुआ जब युवती के कॉल रिसीव नहीं करने पर उसके परिवार वालों ने मामले की जानकारी सेक्टर-56 थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस परिवार की ओर से बताए गए एड्रेस सेक्टर-55 में पहुंची, जहां युवती किराए पर रहती थी।

रामपुर में आईटी कंपनी मालिक समेत 4 की मौत

उत्तराखंड घूमने जा रहे थे, कार डीसीएम में घुसी, चकनाचूर

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। यूपी के रामपुर में शनिवार को आईटी कंपनी के मालिक समेत 4 युवकों की सड़क हादसे में मौत हो गई। 3 की हालत गंभीर है। सभी उत्तराखंड घूमने के लिए जा रहे थे। सुबह 5 बजे उनकी ईको कार 100 की स्पीड में खड़ी डीसीएम में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चकनाचूर हो गई। अंदर फंसे लोग दर्द से तड़पते रहे। हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें शवों के बीच फंसा खून से लथपथ युवक लोगों से मदद की गुहार लगा रहा है। कह रहा है- भैया, बचा लो। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को गैस कटर से काटकर शवों और घायलों को निकाला। इसके बाद उन्हें

अभिषेक, मृतक
कार्तिक, मृतक
गुलाबुद्दीन, मृतक

नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में झपकी आने से हादसा होने की आशंका है। मृतकों में दिल्ली निवासी अभिषेक अग्निहोत्री (30), नीरज (24), गुलबुद्दीन उर्फ सोनू (35) और बागपत निवासी कार्तिक (24) शामिल हैं।

अभिषेक अग्निहोत्री नोएडा में 'इंडियन शॉप' नाम की आईटी कंपनी चलाते थे। वह अपने कर्मचारियों और दोस्तों के साथ जिम कॉर्बेट पार्क जा रहे थे।

ज्वैलर्स की दुकान से 50 लाख की चोरी

400 ग्राम सोना और चांदी से भरा बैग लेकर युवक फरार, 4 दिन से रेकी कर रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के काकादेव थाना क्षेत्र में शनिवार रात करीब 10 बजे एक बड़ी चोरी की वारदात ने व्यापारियों में दहशत फैला दी। विजय नगर स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान से शातिर चोर करीब 50 लाख रुपए से अधिक कीमत का सोना, चांदी और नकदी से भरा बैग पार कर ले गए। घटना की जानकारी उस समय हुई जब दुकान बंद कर घर जाने के लिए दुकानदार ने बैग उठाना चाहा, लेकिन वह अपनी जगह से गायब मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रविवार दोपहर करीब 1 बजे एडीसीपी सेंट्रल, एसीपी स्वरूप नगर और क्राइम ब्रांच की टीम ने मौके का निरीक्षण कर कारोबारी से पूछताछ की। उस समय उन्हें किसी अनहोनी का अंदेशा नहीं हुआ

और वह सामान्य रूप से दुकानदारी करते रहे। रात करीब नौ बजे जब वह दुकान बंद कर घर जाने लगे और सोना, चांदी व नकदी से भरा बैग उठाने पहुंचे तो बैग गायब था।

बैग नहीं मिलने पर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत डायल-112 पर सूचना दी। कुछ ही देर में काकादेव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पीड़ित व्यापारी देवेंद्रनाथ वर्मा ने पुलिस को बताया- बैग में करीब 400 ग्राम सोने के आभूषण, एक किलो से अधिक चांदी के जेवर, 50 हजार रुपये नकद सहित लगभग 50 लाख रुपये से अधिक का माल रखा हुआ था, जिसे चोर लेकर फरार हो गए। रविवार सुबह एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह, एसीपी स्वरूप नगर तथा क्राइम ब्रांच की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और व्यापारी सहित आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस को आशंका है कि घटना को अंजाम देने वाला युवक पहले से रेकी कर रहा था और दुकान की गतिविधियों पर नजर रखे हुए था। घटना के बाद विजय नगर और आसपास के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। व्यापारियों ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरी का खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गया माल बरामद करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि कई टीमें गठित कर दी गई हैं। सीसीटीवी फुटेज, संदिग्धों की गतिविधियों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

> “ एडीसीपी सेन्ट्रल डॉ अर्चना सिंह ने बताया शातिर बैग लेकर फरार हुआ है। बैग में सारा सामान रखा था। घटना के खुलासे के लिये 4 टीमों को लगाया गया है। जल्द ही शातिर को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पहले दोस्ती कर रेकी की फिर बैग पार कर दिया

विजय नगर निवासी देवेंद्रनाथ वर्मा की घर से कुछ दूरी पर फल मंडी के पास ज्योति ज्वेलर्स एवं वर्मा वस्त्रालय के नाम से दुकान है। उनकी पत्नी ऊषा पैरालिसिस से पीड़ित हैं, जिसके चलते दुकान का पूरा संचालन वह स्वयं करते हैं। शनिवार शाम करीब चार बजे उन्होंने दुकान खोली। कुछ देर बाद एक युवक दुकान पर पहुंचा, जो चार दिन पहले कपड़े खरीदने आया था और तब से लगातार दुकान पर आ-जा रहा था। दुकानदार के मुताबिक, शनिवार शाम करीब पांच बजे भी वही युवक दुकान पर आया। इसी दौरान वह कुछ दूरी पर यूरिन करने चले गए। वापस लौटने पर युवक वहां से जा चुका था।

आरपीएफ ने रेलवे अफसर को 300 मीटर घसीटा

थप्पड़ मारे, महिला को चेन पुलिंग के आरोप में पकड़ने पर टोक दिया था

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर रेलवे अफसर को आरपीएफ जवानों ने जमकर पीटा। इसके बाद उन्हें घसीटते हुए थाने ले गए। स्टेशन उपाधीक्षक (DSS) की गलती सिर्फ इतनी थी कि उन्होंने एक महिला यात्री के ट्रेन में न चढ़ पाने पर ट्रेन रुकवा दी थी। इसके बाद आरपीएफ जवानों ने महिला को चेन पुलिंग के आरोप में पकड़ लिया। इसको लेकर ही झगड़ा हुआ। रविवार सुबह करीब 11 बजे हुई इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद बाद 4 आरपीएफ कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया। रविवार सुबह करीब 11 बजे प्लेटफार्म नंबर-1 पर अमृतसर से हीराकुंड एक्सप्रेस ट्रेन आई थी। इसी दौरान एक महिला यात्री उसी ट्रेन से नीचे उतरी और कुछ सामान खरीदने लगी। तभी ट्रेन चलने लगी। महिला यात्री ने

चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया, लेकिन नहीं चढ़ पाई। इस पर स्टेशन पर तैनात डिप्टी स्टेशन सुपरिंटेंडेंट नरेंद्र चाहर ने महिला को भागते देखकर वॉकी-टॉकी से लोको पायलट को सूचना दी और ट्रेन रुकवा दी। ट्रेन की रफ्तार कम हुई, तो महिला उसमें चढ़ने लगी। तभी वहां तैनात आरपीएफ कर्मी ने महिला को चेन पुलिंग के आरोप में रोक लिया। DSS नरेंद्र चाहर ने इसका विरोध किया। कहा कि ट्रेन को उन्होंने रुकवाया है। लेकिन, आरपीएफ जवान ने उनकी बात नहीं मानी। इसको लेकर दोनों में विवाद हो गया। फिर दोनों के बीच मारपीट की नौबत आ गई।

रेलकर्मियों ने किया प्रदर्शन

DSS के साथ मारपीट की सूचना पर रेलवे कर्मचारी इकट्ठा हो गए। उन्होंने आरपीएफ थाने के बाहर नारेबाजी करते हुए विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना है कि आरपीएफ ने महिला यात्री की मदद करने पर DSS के साथ अमानवीयता की है।

घटना के बाद आरपीएफ के एएसआई मेघराज मीणा, एएसआई बालकिशन, कॉन्स्टेबल बदन सिंह और कॉन्स्टेबल जितेंद्र को सस्पेंड कर दिया गया है। आगरा रेलवे मंडल के जन सूचना अधिकारी (PRO) संजय गौतम ने बताया- DSS मामले में लापरवाही बरतने पर आरपीएफ इंस्पेक्टर और 4 कर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। घटना के कारणों की जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी में स्टेशन डायरेक्टर, आरपीएफ के असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर और AOM शामिल हैं।

कमेटी जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी। रिपोर्ट आने के बाद दोषी कर्मियों के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। रेलवे प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

DSS के साथ हुई घटना को विरोध में रेलवे कर्मचारी यूनियन ने आरपीएफ थाने के बाहर नारेबाजी की।

आरपीएफ जवानों ने थप्पड़ मारा, घसीटते ले गए

इसी बीच आरपीएफ जवान ने अपने साथियों को बुला लिया। इसके बाद सभी DSS नरेंद्र चाहर को पकड़कर ले जाने लगे। उन्होंने विरोध किया, तो पकड़कर जमीन पर गिरा दिया। करीब 1 मिनट तक इसी तरह धक्का-मुक्की चलती रही। इस बीच, नरेंद्र चाहर के केबिन में मौजूद स्टाफ आरपीएफ के जवानों को ऐसा नहीं करने को कहते रहे। लेकिन, उनकी अनदेखी करते हुए आरपीएफ की टीम DSS को घसीटते हुए आरपीएफ थाने ले गए। इस दौरान DSS फर्श पर छटपटाते रहे। लेकिन, 4 आरपीएफ कर्मी उनको हाथ-पैर पकड़कर करीब 300 मीटर घसीटते रहे।

पत्नी की नाक काटी, मायके जाने पर अड़ी थी

दामाद की बहन की नाक दांतों से काटकर बदला लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। यूपी के लखीमपुर खीरी में पति ने दांतों से पत्नी की नाक काट दी। पत्नी मायके जाने की जिद पर अड़ी थी। इसी बात को लेकर दोनों में पहले बहस हुई, फिर झड़प हो गई। नाक कटने से गुस्साई पत्नी ने मायके फोन कर दिया। उसकी मां ससुराल पहुंची तो बेटी की कटी नाक देखकर भड़क गई। बदला लेने के लिए उसकी 18 साल की ननद की नाक काट दी। वह खून से लथपथ हो गई। तड़पने लगी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग आए। जैसे-तैसे दोनों परिवारों को शांत कराया। इसके बाद दोनों परिवार थाने पहुंच गए। वहां शिकायत की। इसके बाद मां बेटी को मायके लेकर चली गई। मामला शनिवार शाम 4 बजे जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर पडुआ

प्रीति, पत्नी
मोनी, ननद

इलाका का है। पुलिस ने बताया कि पति का नाम श्रवण कश्यप, पत्नी का नाम प्रीति और ननद का नाम मोनी है। पत्नी और ननद का प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराया है। दोनों पक्षों ने एप्लिकेशन दी है। मामले की जांच की जा रही है। रामलखन कश्यप के बड़े बेटे श्रवण की शादी 4 साल पहले चचरापुरवा गांव निवासी बनवारी लाल (35) की बेटी प्रीति (30) से हुई थी। दंपती की अभी कोई संतान नहीं है। श्रवण खेती-किसानी करता है। ससुराल और मायके के बीच की दूरी महज 2 किलोमीटर है।

दौरा : बोलीं- महिलाओं के सम्मान में भाजपा आगे, संगठन को बूथ तक मजबूत करने का दिया मंत्र

कानपुर पहुंचीं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा रविवार को एक दिवसीय दौरे पर कानपुर पहुंचीं। जाजमऊ पुल पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद नौबस्ता स्थित कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय कार्यालय में उन्होंने संगठनात्मक बैठक और मीडिया संवाद में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान, भागीदारी और नेतृत्व को सबसे अधिक अवसर भाजपा ने दिए हैं। वहीं राम मंदिर चढ़ावा मामले में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जांच के निर्देश दिए हैं और रिपोर्ट आने के बाद तथ्य सामने आएंगे। सरोज कुशवाहा ने कहा कि पार्टी ने उन्हें

बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है और वह पिछले 32 वर्षों से भाजपा संगठन में कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल में भाजपा जितनी महिला कार्यकर्ता और महिलाओं को नेतृत्व देने की परंपरा नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका कानपुर का पहला दौरा है और आगे भी पूरे प्रदेश में महिला संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का अभियान चलाया जाएगा।

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक में उन्होंने महिला मोर्चा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आगामी कार्यक्रमों और संगठन विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक बूथ तक महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।

महिला आरक्षण पर विपक्ष को घेरा

प्रदेश अध्यक्ष ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा लंबे समय से महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने की पक्षधर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने कभी जाति तो कभी अन्य मुद्दों का हवाला देकर महिला आरक्षण को टालने का प्रयास किया, जबकि भाजपा ने इसे आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में महिलाओं की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण होगी।

राम मंदिर मामले पर क्या बोलीं

राम मंदिर चढ़ावा मामले में पूछे गए सवाल पर सरोज कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

बैठक में विधायक सरोज कुरील, राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता सहित महिला मोर्चा की क्षेत्रीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी में बारातियों की कार बही, अंडरपास में तांगा डूबा

तांगे वाले और घोड़े की मौत, खेत में 10 फीट का मगरमच्छ निकला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। शनिवार देर रात गोरखपुर, गोंडा, बहराइच, देवरिया समेत 5 शहरों में तेज बारिश हुई। रविवार सुबह लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी समेत ज्यादातर शहरों में बादल छाए रहे। हालांकि, साढ़े 8 बजते-बजते धूप निकल आई। आज 33 जिलों में बारिश का अलर्ट है। पूर्वांचल और तराई वाले जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में यूपी के 32 शहरों में औसतन 7.5 मिमी बारिश हुई। आमतौर पर 11.1 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। सबसे ज्यादा 60.8 मिमी बारिश गोरखपुर, 52.6 मिमी.

अंबेडकर नगर में रिकॉर्ड हुई। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश की वजह से यूपी में नदी-नाले उफान पर हैं। प्रयागराज में गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा है। बिजनौर में मालन नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। महोबा में शनिवार देर रात 11 बजे बारातियों की बोलेरो कार नाले में गिर गई। कार में दूल्हे के पिता समेत 6 बाराती सवार थे। आसपास मौजूद लोगों ने नाले में कूदकर उनकी जान बचाई। मेरठ में दिन में कई बार हुई तेज बारिश की वजह से अंडरपास में 10 फीट पानी भर गया। इस दौरान एक तांगा डूब गया। युवक और घोड़े की मौत हो गई। एटा में धान के खेत में 10 फीट लंबा मगरमच्छ निकला। गांववालों ने वन विभाग की मदद से उसे पकड़ा। संभल में लगातार 4 दिन की बारिश के बाद सड़कों पर कीचड़, गंदगी और जलभराव। शनिवार को वार्ड संख्या-2 हातिम सराय प्रजापति मोहल्ले से एक शव यात्रा इसी जलभराव के बीच से गुजरना पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि 32 साल के कलवा पुत्र जगपाल की मौत हो गई थी। परिजन को जूते-चप्पल हाथ में लेकर जलभराव के बीच से ही शव यात्रा को निकालना पड़ा।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जिलेभर में चला पौधरोपण अभियान, संरक्षण का लिया संकल्प

वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 का आयोजन

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। शासन के निर्देश पर रविवार को जनपद मथुरा में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के दौरान पुलिस विभाग, ग्राम पंचायतों, विद्यालयों और विभिन्न सरकारी संस्थानों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रदेश सरकार के इस अभियान का उद्देश्य हरित क्षेत्र को बढ़ाना, पर्यावरण संतुलन बनाए रखना और लोगों को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। जिलेभर में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी की।

मथुरा पुलिस की ओर से पुलिस लाइन, सभी थानों, चौकियों और पुलिस परिसरों में वृक्षारोपण किया गया। पुलिस अधीक्षक सुरक्षा, प्रतिसार निरीक्षक और क्षेत्राधिकारियों के निर्देशन में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह एक अनमोल धरोहर हैं।

भरतिया गांव में स्थापित हुआ 'लाड़ली वन'

विकासखंड बलदेव के ग्राम भरतिया में ब्रज क्षेत्र के '101 लाड़ली वन' अभियान के तहत लाड़ली वन की स्थापना की गई। क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश ने पौधरोपण कर इस अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा करने की अपील की। विधायक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, एसडीएम उषा सिंह, खंड विकास अधिकारी नेहा रावत सहित अन्य अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

राजकीय इंटर कॉलेज दघेंटा में लगाए गए 100 पौधे

विकासखंड बलदेव स्थित राजकीय इंटर कॉलेज दघेंटा में जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह के निर्देशन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश यादव ने विद्यार्थियों और ग्राम प्रधान के साथ मिलकर पौधे लगाए। विद्यालय में 100 पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ. यादव ने कहा कि ब्रजभूमि की पहचान रहे वन, कुंज, नदियां और सरोवर आज संरक्षण की जरूरत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 का शुभारंभ, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय, वीजीआई मेरठ एवं वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता रैली एवं पर्यावरण संरक्षण शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त भारत के निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के आवास आयुक्त एवं वरिष्ठ आईएएस बलकार सिंह ने कहा कि विकसित भारत-2047 और ग्रीन इंडिया-क्लीन इंडिया के लक्ष्य को साकार करने में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने अधिक से अधिक पौधरोपण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरी ने सभी से जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं अन्य सामाजिक अवसरों पर पौधरोपण करने तथा पौधों को उपहार स्वरूप भेंट करने का संकल्प लेने की अपील की। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने का सबसे प्रभावी उपाय व्यापक वृक्षारोपण और प्लास्टिक के उपयोग में कमी है। कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे ने बताया कि संस्थान पूरे जुलाई माह वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने परिसर में पौधरोपण कर किया। इस अवसर पर सीडीओ अश्वनी मिश्र, एडीएम गरिमा सिंह, एसडीएम चन्द्रकान्ता, डीएफओ राजीव सिंह, कुलसचिव डॉ. पीयूष कुमार पाण्डेय सहित प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद्, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज़

मथुरा में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

मथुरा। मथुरा में महानगर कांग्रेस कमेटी ने रविवार दोपहर 12 बजे प्रदर्शन किया। उन्होंने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का आरोप लगाया। महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने होली गेट से पैदल मार्च निकाला और मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। मीडिया से बातचीत में मुकद्दम ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है।

मुरादाबाद राजकीय महाविद्यालय में हुआ एलएलबी की कापियों का मूल्यांकन

मुरादाबाद। मुरादाबाद के गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के निर्देश पर राजकीय महाविद्यालय मथाना, कांठ में शनिवार को सुबह करीब 10 बजे से एलएलबी की कापियों को जांचने का काम शुरू हुआ। इस दौरान कई विद्यार्थियों ने मूल्यांकन पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर कम अंक दिए गए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुछ विद्यार्थियों पर उत्तर पुस्तिकाओं में अनुचित सामग्री और फिल्मों की कहानी लिखने का भी आरोप लगाया है। विद्यार्थियों की आपत्तियों के निस्तारण के लिए उनसे चुनौती पुनर्मूल्यांकन के आवेदन भरवाए गए।

ट्रक ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरदोई। हरदोई में एक ट्रक ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह भारतीय खाद्य निगम (FCI) से सरकारी खाद्यान्न की सप्लाई करते थे। इस घटना से उसकी 11 वर्षीय इकलौती बेटी आरोही ने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है। युवक को मेडिकल कॉलेज में शनिवार शाम 4:20 पर मृत घोषित किया गया। रविवार को मृतक के परिजन आने के बाद मेडिकल कॉलेज में दोपहर 2 बजे पंचनामा भरा गया।

2027 में फिर बनेगी योगी सरकार : देवेंद्र प्रताप सिंह

सुल्तानपुर में देवेंद्र सिंह ने कहा- सीएम जब पूरा प्रदेश मथ डालेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में भाजपा विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) देवेंद्र प्रताप सिंह ने रविवार को 2027 के विधानसभा चुनाव, मथुरा और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। पीडब्ल्यूडी निरीक्षण भवन पहुंचे एमएलसी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2027 में प्रदेश में फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा। देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिन के 24 घंटे में 20 घंटे और साल के 365 दिन प्रदेश के विकास के लिए काम करते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए

कहा कि जब मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश में काम पूरा कर लेंगे, तब विपक्ष अपनी निद्रा से जागेगा।

मथुरा से जुड़े सवाल पर एमएलसी ने कहा कि काशी की तरह अब मथुरा को भी मुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की आम जनता यही चाहती है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता की भावना के अनुरूप निर्णय लेंगे। समर्थकों से मुलाकात के दौरान एमएलसी ने कहा कि पुरातन और सनातन विरासत का संरक्षण और संवर्धन मुख्यमंत्री का संकल्प है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सनातन मूल्यों में विश्वास रखते हैं और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का समर्थन करते हुए देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में उन्होंने स्वयं करीब 600 पौधे लगाए हैं और एक पूरा बाग विकसित किया है।

उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण नवजात शिशु की तरह करना भी जरूरी है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और स्वच्छ जीवन के लिए वृक्षारोपण को उन्होंने अत्यंत आवश्यक बताया।

उप्रप्राशिस की नई जिला कार्यकारिणी घोषित

संतोष सिंह बने जिलाध्यक्ष, राहुल तिवारी को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (उप्रप्राशिस) की सुल्तानपुर जिला शाखा को नई कार्यकारिणी मिल गई है। संगठन के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर नई टीम का गठन किया गया, जिसमें संतोष कुमार सिंह को जिलाध्यक्ष, राहुल तिवारी को जिला महामंत्री और वेद प्रताप सिंह को जिला कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी को अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने विधिवत मान्यता प्रदान की। इसके बाद प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों को मान्यता पत्र सौंपकर उन्हें संगठन की जिम्मेदारियां दीं। प्रदेश नेतृत्व की ओर से जारी निर्देश के अनुसार नवनियुक्त पदाधिकारी वर्तमान में जिले के अलग-अलग विद्यालयों में

सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। संतोष कुमार सिंह कंपोजिट स्कूल कैथापुर बेलडाडी, विकासखंड लंभुआ में तैनात हैं। राहुल तिवारी प्राथमिक विद्यालय घाटमपुर, लंभुआ में सहायक अध्यापक हैं। वेद प्रताप सिंह डीह, विकासखंड बल्दीराय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। तीनों शिक्षकों को संगठन की जिला इकाई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने के बाद शिक्षक समुदाय में खुशी का माहौल है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने की बात कही। उन्होंने कहा कि शिक्षक हितों, शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए मिलकर कार्य किया जाएगा।

शिक्षक नेता रहे मौजूद

कार्यक्रम में एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि डॉ. अजय सिंह, संयुक्त मंत्री अनिल कुमार यादव, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, अकील अहमद, पूर्व अध्यक्ष के.के. सिंह समेत विभिन्न ब्लॉकों के शिक्षक नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने की उम्मीद जताई।

प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि उप्रप्राशिस शिक्षकों के सम्मान, अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष संतोष सिंह और जिला महामंत्री राहुल तिवारी ने संगठन को नई ऊर्जा देने, शिक्षकों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रियता से कार्य करने का भरोसा जताया।

भरतिया गांव में बना 'लाड़ली वन', विधायक ने किया वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। विकास खंड बलदेव के ग्राम भरतिया में शनिवार को वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत ब्रज क्षेत्र के 101 लाड़ली वन अभियान के अंतर्गत लाड़ली वन की स्थापना की गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को पौधों की देखभाल अपने बच्चों की तरह करने तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प भी दिलाया गया। अभियान का मुख्य विषय एक पेड़ मां के नाम रहा, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ मातृ सम्मान का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, उपजिलाधिकारी उषा सिंह, खंड विकास

अधिकारी नेहा रावत, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) मुकेश, सचिव कौशलेंद्र, प्रशासक हरवीर, सचिव विपिन सहित विकास खंड के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अधिकारियों ने बताया कि लाड़ली वन के रूप में विकसित यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में सघन हरित वन का स्वरूप धारण करेगा और पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय क्षेत्र की हरित धरोहर के रूप में विकसित होगा।

महिला का जबरन धर्म परिवर्तन, दंपती गिरफ्तार

मुरादाबाद में बंधक बनाकर निकाह का दबाव बनाया, अभी भी दो फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। जिले के मझोला थाना क्षेत्र में एक महिला ने पिस्टल के बल पर जबरन धर्म परिवर्तन कराने और निकाह के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने उसके सिर पर लाइसेंसी पिस्टल रखकर जान से मारने की धमकी दी और कई दिनों तक उसे घर में बंधक बनाकर रखा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी दंपत्ति को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। मामले में नामजद एक मौलवी और दो अन्य अज्ञात आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, पीड़ित महिला के परिवार और आरोपी सुल्तान सलाउद्दीन व उसकी पत्नी मेहनाज उर्फ मेहराज

बेगम के बीच पिछले करीब तीन वर्षों से पारिवारिक संबंध थे। दोनों परिवारों का एक-दूसरे के घर आना-जाना था। पारिवारिक कार्यक्रमों और त्योहारों में भी दोनों परिवार साथ शामिल होते थे। महिला का आरोप है कि इसी विश्वास का फायदा उठाकर उसके साथ यह घटना की गई। महिला की शिकायत मिलने के बाद मझोला थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी सुल्तान सलाउद्दीन और उसकी पत्नी मेहनाज उर्फ मेहराज बेगम को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में नामजद दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं फरार मौलवी और दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

काम के बहाने घर बुलाने का आरोप

महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते 6 फरवरी को आरोपी मेहनाज ने किसी काम का बहाना बनाकर उसे अपने घर बुलाया था। जब वह वहां पहुंची तो घर में सुल्तान सलाउद्दीन, मेहनाज, एक मौलवी और दो अन्य लोग मौजूद थे। आरोप है कि सभी ने मिलकर महिला को बंधक बना लिया। इसके बाद पिस्टल के बल पर डराया-धमकाया गया और जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर उसे कई दिनों तक घर में कैद रखा गया और निकाह करने के लिए दबाव बनाया गया।

सिर पर रखी पिस्टल, जान से मारने की धमकी दी

महिला का आरोप है कि उसके सिर पर लाइसेंसी पिस्टल रख दी गई। जान से मारने की धमकी देकर उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया। डर के कारण आरोपियों ने जबरन उसका धर्म परिवर्तन करा दिया। FIR के अनुसार, इसके बाद महिला पर निकाह करने का दबाव बनाया गया। उसने विरोध किया तो आरोपियों ने अभद्रता की और जातिसूचक शब्द कहे। आरोप है कि महिला को कई दिनों तक घर में बंधक बनाकर रखा गया।

मुख्य आरोपी पर छेड़छाड़ का भी आरोप

पीड़िता ने मुख्य आरोपी पर छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करने का भी आरोप लगाया है। महिला किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बाहर निकली। इसके बाद उसने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने अपहरण, अवैध रूप से बंधक बनाने, छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम और एससी/एसटी एक्ट की धाराएं भी लगाई गई हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

'वनों से ही नदियां ...

यह सब अंधाधुंध पेड़ काटने और जल स्रोतों को नष्ट करने का नतीजा है। इसकी कीमत पूरी मानवता चुका रही है। प्रदेश में पिछले साल भी सरकार ने अभियान चलाकर 35 करोड़ पौधे लगवाए थे, लेकिन इस बार एक ही दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का टारगेट रखा गया है। अगर यह टारगेट पूरा हुआ तो 24 घंटे में सबसे ज्यादा पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनेगा। अभी सुबह 11 बजे तक 13 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। सांसद रवि किशन ने कहा- मैं कलाकार हूं। महाराज जी बहुत बड़े कलाकार हैं। वह आर्किटेक्ट हैं। उनके विजन के चलते ही हम यह सुंदरता देख रहे हैं। वृक्षारोपण महाअभियान के तहत शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने पौधरोपण किया। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के बाद सीएम ताल रिंग रोड पहुंचे। यहां उन्हों मौलश्री का पौधा लगाया। इसके बाद रामगढ़ताल रोड पर उन्होंने सेल्फी ली। GDA की ओर से यहां सड़क किनारे 500 पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा- इस साल मानसून करीब एक महीना देर से आया है। इससे खेती भी प्रभावित हुई है और उत्पादन 15 से 20 प्रतिशत तक कम हो सकता है। मौसम का स्वरूप बदल रहा है। गर्मी और सर्दी, दोनों चरम पर पहुंच रही हैं। दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लगातार चेतावनी दी जा रही है। समुद्र किनारे बसे कई शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। कई शहर गैस चैंबर बन जाते हैं, जहां बीमार और बुजुर्गों को घर से बाहर न निकलने की सलाह देनी पड़ती है। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि अंधाधुंध पेड़ काटे गए और जल स्रोतों को नष्ट कर दिया गया। इसकी कीमत पूरी मानवता चुका रही है। सीएम योगी ने कहा- धरती माता हम सबको अच्छा वातावरण देती हैं। आगे बढ़ने के अवसर देती हैं। पेट भरने के लिए अन्न, खाने के लिए फल और पीने के लिए जल उपलब्ध कराती हैं। घर की जरूरतों को भी धरती माता ही पूरा करती हैं। एक पुत्र के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन करने के लिए प्रधानमंत्री ने हर भारतीय से कहा कि हमारा राष्ट्रीय दायित्व है कि हम इस अभियान का हिस्सा बनें। इसके लिए उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' की सुंदर थीम देशवासियों को दी। मां हर व्यक्ति और हर जीव-जंतु के लिए सबसे बड़ा उपहार होती हैं। वही उपहार हमारे लिए धरती माता के रूप में भी है। हम सभी अपने स्वास्थ्य की चिंता करते हैं, लेकिन धरती माता के स्वास्थ्य के लिए कोई व्यवस्था नहीं करते, जबकि हम पूरी तरह उन्हीं पर आश्रित हैं। इस अभियान की शुरुआत हमने 9 साल पहले की थी। प्रधानमंत्री ने 5 जून, अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर देशवासियों से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने का आह्वान किया था। इसी साल 5 जून को 5 करोड़ पौधे लगाए गए। उत्तर प्रदेश में पिछले साल 35 करोड़ पौधे लगाए गए थे। पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने 242 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने वानिकी वीडियो और कैलेंडर का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री ने पौधे का वितरण किया। इस दौरान महिलाओं को सहजन का पौधा दिया। वन एवं पर्यावरण मंत्री स्वतंत्र प्रभार अरुण सक्सेना ने कहा- आज शाम तक 35 करोड़ पेड़ उत्तर प्रदेश में लग चुके होंगे। पिछले 10 साल में 275 करोड़ पेड़ लग चुके होंगे। यह वर्ल्ड रिकार्ड है। मामूली बात नहीं है। हमें एक पेड़ मां के नाम लगाना है। जब आप पेड़ लगाइए तो अपनी मां की स्मृति कर लेना। इसकी रक्षा भी करते रहें। उन्होंने कहा- हम बहुत जल्दी ही गोरखपुर में एक वानिकी विश्वविद्यालय की शुरूआत जल्दी ही करेंगे। हम मिशन छाया पर जोर देंगे। सड़क के अंदर फूलदार व छायादार पेड़ लगाए जाएं। घरों के पास फलदार वृक्ष लगाएंगे। कपि वन लगाएंगे, जहां वंदरों व अन्य जानवरों के खाने की कमी न हो। 30 प्रतिशत फलदार पेड़ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा- रक्षाबंधन के पर्व पर भी भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक पेड़ लगाएंगे। शिक्षक दिवस पर एक पेड़ गुरु के नाम पर लगाएंगे। पेड़ जनसहभागिता से लग रहे हैं। युवा जिस काम पर निकल आएगा वह पूरा जरूर होगा। मैं सभी नौजवानों से अपील करूंगा कि एक पेड़ फलदार अपने घर पर जरूर लगाओ। किसान अपने खेत के मेड़ पर टिम्बर लगाएं। शहर के लोग घर के पास पार्क में लगाएं। पेड़ की सुरक्षा का ख्याल जरूर रखें। नदियों के किनारे पेड़ लगाने होंगे। मुख्यमंत्री ने इसका विशेष निर्देश दिया है कि सड़कों के किनारे, नदियों के किनारे पेड़ लगाएं। सहजनवा से भाजपा विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा- हमारी विधानसभा में चारों तरफ सड़कों का चौड़ीकरण हो रहा है।

राममंदिर के चंदा ...

लोगों ने उनके साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कोई चोरी नहीं की।" राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन की टीम 22 जुलाई के बाद कमान संभाल सकती है। इस पर मंथन चल रहा है। पुलिस आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव को रिमांड पर ले सकती है। दोनों को सोमवार को फैजाबाद कोर्ट में पेश करेगी और 7 दिन की रिमांड मांग सकती है। गोरखपुर में चढ़ावा चोरी को लेकर पोस्टर लगवाने वाले सपा नेता अरविंद शुक्ला समेत 3 लोगों को पुलिस ने शनिवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। तीनों ने शुक्रवार रात पोस्टर लगवाए थे। जिस पर लिखा था- 'राम नाम जपना, श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया दान अपना। रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलयुग आएगा, चोर करेगा मंदिर में चोरी, चौकीदार देखता रह जाएगा।' उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि राम मंदिर में बड़ी चोरी हुई है, बड़े जो माफिया हैं उनको दूर रखा गया है। ये छोटे-मोटे कर्मचारियों को सजा देकर असली माफियाओं को बचाएंगे। जो असली चोर हैं, जहां ये हजारों करोड़ रुपए गया है, उनको ये नहीं पकड़ेंगे क्योंकि इसके तार बीजेपी, आरएसएस मुख्यालय से जुड़े हैं। आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महोबा जिले में पहुंचे थे। कर्नाटक के बेलगावी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक के समापन पर संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि बैठक में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्र की गिनती में अनियमितताओं की घटना पर सभी ने दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा- श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर चल रही एसआईटी और पुलिस की कार्रवाई पर सभी ने भरोसा जताया और उम्मीद व्यक्त की कि जांच जल्द निर्णायक मोड़ पर पहुंचेगी। ट्रस्ट को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि राम मंदिर के प्रति रामभक्तों की आस्था और श्रद्धा को कोई ठेस न पहुंचे। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की अयोध्या महानगर और जिला इकाई की बैठक रविवार को अवध मॉल में हुई।

ओमान के पास जहाज ...

भारत ने कहा कि क्षेत्र में व्यापारी जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। साथ ही तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी बाधा के जहाजों की आवाजाही जल्द बहाल होनी चाहिए। ईरान के नए सुप्रीम लीडर बोले- पिता की मौत का बदला लेंगेः अली खामेनेई के निधन के बाद पहली बार नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का बयान सामने आया।

उन्होंने कहा कि अपने पिता और युद्ध में मारे गए लोगों के खून का बदला लिया जाएगा। ईरानी विदेश मंत्री बोले- अमेरिका समझौता तोड़ रहाः विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका खुद MoU का उल्लंघन कर रहा है। ओमान के मैरिटाइम सिक्योरिटी सेंटर ने बताया कि हमले का शिकार हुए मालवाहक जहाज 'GFS गैलेक्सी' से 23 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि, एक नाविक की तलाश अब भी जारी है। ओमान में अमेरिकी दूतावास ने डुक्म शहर और मुसंदम गवर्नरेट में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को हालिया गतिविधियों के चलते फिलहाल घरों या सुरक्षित इमारतों के अंदर रहने की सलाह दी है।

बटलर और ब्रूक की रिकॉर्ड साझेदारी, ट्रैफिक में फंसी टीम इंडिया, स्टेडियम देरी से पहुंची

भारत पहली बार सीरीज में चार मैच हारा

भारतीय टीम देरी से स्टेडियम पहुंची।

टूर्नामेंट

साउथैम्पटन, एजेंसी

इंग्लैंड ने पांचवे टी-20 मैच में भारत को 56 रन से हरा दिया। टीम इंडिया पहली बार किसी सीरीज या टूर्नामेंट में 4 मैच हारी है। इंग्लिश टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 257 रन बनाए। यह भारत के खिलाफ किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है।

यह मैच आधे घंटे से देरी से शुरु हुआ। दरअसल भारतीय टीम ट्रैफिक की वजह से आधे घंटे देरी से स्टेडियम पहुंची।

बटलर और ब्रूक ने 233 रन जोड़कर टी-20 में भारत के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी की। यह रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक और डेविड मिलर के नाम था। उन्होंने 2022 में गुवाहाटी में नाबाद 174 रन जोड़े थे। बटलर और ब्रूक ने साउथम्पटन में 233 रन की पार्टनरशिप की। यह टी-20 में इंग्लैंड के लिए किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले डेविड मलान और ईयोन मॉर्गन ने 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में 182 रन जोड़े थे। बटलर ने टी-20 में इंग्लैंड के लिए दूसरी सबसे बड़ी पारी खेली। उन्होंने 131 रन बनाए। फिल साल्ट ने 2025 में टीम के लिए हाईएस्ट स्कोर बनाया था। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैनचेस्टर में नाबाद 141 रन की पारी खेली थी।

अभिषेक शर्मा बिना कोई दूसरा फॉर्मेट खेले सबसे ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने भारत के लिए 53 टी-20 मैच खेले हैं। अभिषेक ने अब तक वनडे या टेस्ट में डेब्यू नहीं किया है। वेस्टइंडीज के सैमुअल बद्री 52 मैचों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 257 रन बनाए। टी-20 में भारत के खिलाफ किसी भी टीम का यह सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले भी यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के ही नाम था। टीम ने 2026 में वानखेड़े स्टेडियम में 246 रन बनाए थे।

भारत सीरीज में 4 मैच हारा

भारत सीरीज में 4 मैच हारा। यह किसी टी-20 सीरीज या टूर्नामेंट में भारत को मिली सबसे ज्यादा हार है। इससे पहले टीम किसी भी सीरीज या टूर्नामेंट में 3 से ज्यादा मैच नहीं हारी थी। हैरी ब्रूक ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 229 रन बनाए। वे भारत के खिलाफ किसी बाइलेटरल सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 2022 में भारत के खिलाफ 3 मैचों में 184 रन बनाए थे।

बटलर-ब्रूक ने 233 रन की पार्टनरशिप की

बटलर और ब्रूक ने टी-20 में किसी भी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी की। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए 233 रन जोड़े। अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजाई और उस्मान गनी टॉप पर हैं। उन्होंने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ देहरादून में 236 रन की पार्टनरशिप की थी।

इंग्लैंड ने 17 छक्के लगाए

इंग्लैंड ने साउथैम्पटन में 17 छक्के लगाए। यह भारत का किसी टी-20 मैच में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। वेस्टइंडीज ने 2016 में भारत के खिलाफ सबसे छक्के लगाए थे। उन्होंने लॉडरहिल में खेले गए मुकाबले में 21 छक्के लगाए थे।

“श्रेयस अय्यर ने टी-20 में लगातार टॉस जीतने के मामले में धोनी की बराबरी की। उन्होंने 2026 में लगातार 7वीं बार टॉस जीता। धोनी ने भी 2010 से 2012 के बीच लगातार 7 टॉस जीते थे। विराट कोहली 6 टॉस के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

वनडे में ये कारनामा करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन सकते हैं कोहली

सचिन तेंदुलकर के बाद अब विराट की बारी

इस दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा एक बार फिर एक्शन में नजर आएंगे। वनडे सीरीज के दौरान विराट कोहली के पास इतिहास रचने का मौका है। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के खास क्लब में भी शामिल हो जाएंगे।

नई दिल्ली। टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप के बाद अब भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। 14 जुलाई से इस सीरीज का आगाज होगा। पहला मुकाबला एजबेस्टन, बर्मिंघम में खेला जाएगा।

विराट कोहली ने 8 अगस्त 2008 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक खेले 311 वनडे की 299 पारियों में 14797 रन बनाए हैं। इस दौरान विराट ने 77 अर्धशतक और 54 शतक लगाए हैं। वह वनडे में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली एकदिवसीय प्रारूप में 15000 रन का आंकड़ा छूने से सिर्फ 203 रन दूर हैं। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में विराट इस आंकड़े को पार कर सकते हैं। विराट कोहली आखिरी बार न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते नजर आए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दूसरी बार IPL ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाने वालेकोहली अफगानिस्तान के विरुद्ध 13 जून से शुरू हुई तीन वनडे मैचों की सीरीज से बाहर हो गए थे। विराट को हैमस्ट्रिंग इंजरी थी। अब वह एक बार फिर एक्शन में नजर आने वाले हैं। वनडे सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम बर्मिंघम पहुंची थी।

कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया, करियर की बेस्ट रैंकिंग 7 पर पहुंचेंगी

21 साल की लिंडा नोस्कोवा बनीं विंबलडन चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

चेक रिपब्लिक की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में नौवीं सीड नोस्कोवा ने अपनी ही हमवतन और पेरिस ओलिंपिक की डबल्स पार्टनर कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। विंबलडन के इतिहास में यह पहली बार था जब दो चेक खिलाड़ियों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस जीत के साथ ही नोस्कोवा को करीब 38.5 करोड़ रुपए (£3.6 मिलियन) की इनामी राशि मिली और वे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी।

जीत के बाद नोस्कोवा कोर्ट पर ही बैठ गईं और भावुक हो गईं। ट्रॉफी मिलने के बाद स्पीच के दौरान वे रो पड़ीं। उन्होंने आसमान की तरफ देखते हुए फ्लाइंग किस किया और अपनी दिवंगत मां को याद किया।

नोस्कोवा ने कहा,'दो साल पहले विंबलडन की शुरुआत से ठीक पहले मेरी मां इवाना का निधन हो गया था। मैं उनके बिना आज यहां नहीं होती। मैं अपने पिता को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जो मेरे लिए फ्लाइट का डर होने के बावजूद यहां मैच देखने आए।' हार के बाद भावुक मुहोवा ने उपविजेता की ट्रॉफी लेते समय रोते हुए कहा,'शब्द ढूंढना मुश्किल है, लेकिन मैं अपनी 'पूर्व दोस्त' (एक्स-फ्रेंड) लिंडा से शुरुआत करूंगी। आपने जिस तरह से दबाव को संभाला और खेला, वह अविश्वसनीय था। आप इस जीत की हकदार हैं।'

मैच पॉइंट गंवाने के बाद कांपने लगी थीं नोस्कोवा

मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब नोस्कोवा आसानी से जीत की तरफ बढ़ रही थीं। वे दूसरे सेट में 6-2, 5-2 से आगे थीं। इसके बाद 10वीं सीड मुहोवा ने जोरदार वापसी की और लगातार 5 गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान दबाव में नोस्कोवा का बॉडी लैंग्वेज देखने लायक था। वे क्राउड के शोर से बचने के लिए कानों में उंगलियां डालती दिखीं और चेंजओवर के समय विंबलडन के तौलिये में अपना चेहरा छिपा लिया। हालांकि, तीसरे सेट में उन्होंने खुद को संभाला और जीत कर इतिहास रच दिया।

“लिंडा नोस्कोवा पिछले चार सालों में विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह खिताब जीता था।

मनोरंजन

14 साल की उम्र में हेमा मालिनी से छीनी गई थी फिल्म

10 दिन की शूटिंग के बाद 'ड्रीम गर्ल' को किया गया था बाहर

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस के तौर पर हेमा मालिनी को जाना जाता है। हाल ही में हेमा ने फिल्म इंडस्ट्री में 6 दशक का सुनहरा सफर पूरा किया है। इस दौरान उन्होंने जीवन में सफलता और असफलता के मामले पर खुलकर बात की है। सफलता से पहले असफलता मिलती है, तो व्यक्ति मजबूत बनता है। यह बात अभिनेत्री हेमा मालिनी ने शुक्रवार को मुंबई में हुए ड्रीम गर्ल्स डायमंड जुबली कार्यक्रम के दौरान बातचीत में कही, जो सिनेमा में उनके 60 साल से ज्यादा समय पूरे होने का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। हेमा मालिनी ने उस दौर को याद किया, जब उन्हें पहली बार रिजेक्ट किया गया था। उन्होंने कहा- हम दिल्ली से चेन्नई शिफ्ट हुए थे। वहां मेरा डांस करियर काफी बेहतर हो गया था। उस दौरान मैंने सीखा की सफलता से पहले मिली असफलता कैसे मजबूत बनाती है। उस दौरान भरतनाट्यम शो देखने के लिए दक्षिण भारतीय निर्माता आते थे, जो वहां से फिल्मों के लिए कलाकार चुनते थे। मुझे पहला मौका तमिल फिल्म में मिला। मैं 14 साल की थी। मां ने कहा कर लो। 10 दिन की शूटिंग के बाद मैं रिजेक्ट हो गई। खराब लगा था। मां ने कहा की हार मत मानों, मजबूत रहो। उस वक्त एक वकील थे अनंत स्वामी, उन्होंने कहा कि तुम अच्छा डांस करती हो, मैं एक हिंदी फिल्म बना रहा हूं।

गोविन्दा की पत्नी सुनीता आहूजा और बेटे यश का बॉलीवुड डेब्यू, एकता कपूर की फिल्म लगी हाथ

‘मां और बेटे एक साथ लॉन्च’

नई दिल्ली। गोविंदा ने दशकों तक अपनी बेहतरीन एक्टिंग और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का मनोरंजन किया है। लेकिन पिछले कुछ सालों में उनकी प्रोफेशल लाइफ से ज्यादा उनकी पर्सनल लाइफ चर्चा में रही है। वहीं उनके परिवार पत्नी सुनीता आहूजा इस वक्त रियलिटी शो लॉक अप 2 में नजर आ रही है। ANI के साथ एक इंटरव्यू में फिल्म के बारे में डिटेल्स शेयर करते हुए, सुनीता आहूजा ने बताया कि फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज होगी। उन्होंने यह भी बताया कि वह फिल्म में यश की मां का रोल करेंगी। उन्होंने बताया, 'मैं यश के साथ एक फिल्म कर रही हूं। सितंबर में पिक्चर रिलीज होगी। मैं एकता कपूर (Ekta Kapoor) को बहुत प्यार करती हूं। उनकी वजह से मैंने नेटफ्लिक्स (Netflix) का शो किया, और मैं उनसे बहुत प्यार करती हूं। वो भी मुझे बहुत प्यार करती हैं। यश की पिक्चर में मैं उसकी मां का ही रोल कर रही हूं'। सुनीता आहूजा (Sunita Ahuja) ने आगे कहा, 'शायद इंडस्ट्री में पहली बार ऐसा होगा कि मां और बेटा एक साथ लॉन्च हो रहे हैं। प्लीज यश को अपना आशीर्वाद और प्यार दें। मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि आप सब मेरे बेटे यश को भी वही प्यार और आशीर्वाद दीजिए जो आपने हमेशा मुझे दिया है'। खास बात यह है कि सुनीता और गोविंदा की बेटी टीना पहले ही एक्टिंग में हाथ आजमा चुकी हैं। उन्होंने 2015 की फिल्म सेकंड हैंड हस्बैंड से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

एक साथ डेब्यू करेंगे सुनीता और यश

फैंस उम्मीद कर रहे थे कि अब गोविंदा के बेटे यश फिल्मों में डेब्यू करेंगे लेकिन फैंस के लिए डबल खुशखबरी है, दरअसल सुनीता आहूजा (Sunita Ahuja) ने हाल ही में खुलासा किया कि मां और बेटे यानी खुद सुनीता और यश एक साथ फिल्मों में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। दिलचस्प बात ये है कि दोनों एकता कपूर की फिल्म से डेब्यू करने जा रहे हैं।

इस तारीख को ओटीटी पर ब्लॉकबस्टर हॉरर थ्रिलर देगी दस्तक

नेटफ्लिक्स पर दहशत फैलाने आ रही ऑब्सेशन

नई दिल्ली, एजेंसी

2026 की टॉप हॉरर फिल्मों में शुमार ऑब्सेशन अब बड़े पर्दे से उतरकर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने की तैयारी में है। इस फिल्म को सिनेमाघरों में खूब देखा गया और अब ओटीटी पर आने का भी दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यही वजह है कि लंबे समय से चर्चाएं हो रही हैं कि आखिर ऑब्सेशन कब ओटीटी पर दर्शकों को ऑब्सेस करने आ रही है।

अब दर्शकों का ये इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है, क्योंकि दो महीने बाद पता चल गया है कि फिल्म आखिर कब और किस ओटीटी पर दस्तक देने वाली है।

ऑब्सेशन एक साइकोलॉजिकल हॉरर थ्रिलर है जिसका निर्देशन फेमस यूट्यूबर करी बार्कर (Curry Barker) ने किया है। कम बजट की ऑब्सेशन में कोई ए-लिस्ट स्टार्स नहीं हैं। इस फिल्म में इंडे नवारेट, माइकल जॉन्सन और मेगन लॉलेस ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। करी बार्कर ने फिल्म का निर्देशन करने के साथ-साथ कहानी भी लिखी है और एडिटिंग भी की है।

कहानी बियर और निक्की के इर्द-गिर्द घूमती है। बियर, निक्की से प्यार करता है और चाहता है कि वह भी उसे पागलों की तरह चाहे। एक रोज उसे एक 'वन विश विलो' मिलता है जिससे वह मांगता है कि निक्की सिर्फ और सिर्फ उससे प्यार करे। वह विश मांगकर उसे तोड़ देता है और आखिर में उसका ख्वाब पूरा हो जाता है। मगर उसे नहीं मालूम होता है कि उसे इस विश की डरावनी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विश एक खतरनाक मोड़ ले लेता है। सिनेमाघरों में गदर काटने के बाद अब ऑब्सेशन ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। 'वट्स ऑन नेटफ्लिक्स' के मुताबिक, IMDb से 8 रेटिंग हासिल करने वाली ये हॉरर थ्रिलर नेटफ्लिक्स (Netflix) पर स्ट्रीम होगी।

डरावने सीन्स करते हैं हैरान

फिल्म की कहानी आपकी रूह कंपाने के लिए काफी है। 1 घंटे 49 मिनट की फिल्म में कोई बड़े डरावने शॉट्स या खतरनाक डायलॉग्स नहीं हैं। इसके बावजूद फिल्म का हर सीन आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। कलाकारों के एक्सप्रेशन भर ही दर्शकों के दिलों में दहशत फैला देते हैं।

“फिल्म रिलीज के बाद दुनियाभर में चर्चा में रही। बॉक्स ऑफिस मोजो के मुताबिक, इस फिल्म ने दुनियाभर में 409 मिलियन डॉलर के आसपास कारोबार कर लिया है जो भारतीय रुपये में 3900 करोड़ के करीब है।

'स्पाइडरमैन' फेम टॉम हॉलैंड ने पी कटिंग चाय

'द ओडिसी' के भारत में प्रीमियर से पहले क्रिस्टोफर नोलन के साथ पहुंचे कैफे

नई दिल्ली। मुंबई में शनिवार को क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' का भारतीय प्रीमियर हुआ। स्पेशल स्क्रीनिंग में नोलन के साथ टॉम हॉलैंड और मैट डेमन भी शामिल हुए। प्रीमियर से पहले तीनों एक कैफे में चाय पीने के लिए रुके। यूनिवर्सल पिक्चर्स इंडिया ने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'मुंबई में 'द ओडिसी' के प्रीमियर से पहले चाय के लिए छोटा सा ब्रेक। एक बड़ी रात का इंतजार है, लेकिन चाय सबसे पहले!'

तस्वीरों पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कई प्रतिक्रियाएं दीं। किसी ने लिखा, ‘रेड कार्पेट से पहले चाय का ब्रेक।’ एक यूजर ने लिखा, 'दशक की सबसे बड़ी फिल्म बनाने के बाद भी, सादगी बरकरार।'

फिल्म 'द ओडिसी' के मुंबई में हुए प्रीमियर में फिल्म की कास्ट और मेकर्स के साथ-साथ कई बॉलीवुड सेलेब्स भी पहुंचे। मैट डेमन, ऐनी हैथवे, टॉम हॉलैंड, रॉबर्ट पैटिनसन, लुपिता न्योंगो, सामंथा मॉर्टन, जेंडया और चार्लीज थेरॉन स्टारर 'द ओडिसी' 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। क्रिस्टोफर नोलन ने कहा कि वह 'टेनेट' का प्रीमियर भारत में करना चाहते थे, क्योंकि उसकी शूटिंग मुंबई में हुई थी। हालांकि, कोविड महामारी के कारण ऐसा नहीं हो सका।

अमेरिकी अटैक के जवाब में कार्रवाई, यूएस ने ईरान के 140 ठिकानों पर बम गिराए

ईरान ने मिडिल-ईस्ट के 6 देशों पर हमला किया

कार्रवाई

तेल अवीव/तेहरान,एजेंसी

अमेरिका की एयरस्ट्राइक के बाद ईरान ने मिडिल-ईस्ट में जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। रविवार को ईरान ने 6 देशों जॉर्डन, कुवैत, बहरीन, कतर, UAE और ओमान में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और रणनीतिक ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

इससे पहले अमेरिका ने ईरान के करीब 140 सैन्य ठिकानों पर बमबारी की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, यह बमबारी होर्मुज स्ट्रेट में साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर ईरान के हमले के बाद की गई। जहाज में आग लग गई, इंजन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक दल का एक सदस्य लापता हो गया। इसके बाद ईरान ने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस, कुवैत में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और रडार साइट, बहरीन में अमेरिकी सैन्य संचार केंद्र, जबकि कतर और UAE की ओर भी मिसाइल और ड्रोन दागे। इसके अलावा ईरान ने अगले आदेश तक होर्मुज को बंद करने का ऐलान भी किया है। साथ ही कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

CNN ने सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर दावा किया कि ईरान पारचिन समेत कुछ न्यूक्लियर साइट्स की मरम्मत और दोबारा निर्माण कर रहा है। रिपोर्ट में इसे अमेरिका-ईरान MoU का संभावित उल्लंघन बताया गया।

विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका खुद MoU का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि समझौता तभी चलेगा, जब दोनों पक्ष उसका पालन करें। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की, तो अमेरिका हजारों मिसाइलों से जवाब देगा।

> अली खामेनेई के निधन के बाद पहली बार नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि अपने पिता और युद्ध में मारे गए लोगों के खून का बदला लिया जाएगा।

ईरान बार-बार जहाजों को निशाना क्यों बना रहा?

होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखनाः ईरान चाहता था कि सभी जहाज उसके तय किए गए रूट से गुजरें और उसकी बनाई ट्रांजिट अथॉरिटी में रजिस्ट्रेशन कराएं। इससे उसे होर्मुज पर नियंत्रण और भविष्य में शुल्क वसूलने का अधिकार मिलता। ओमान के वैकल्पिक रूट का विरोधः ओमान ने अपने तट के पास नया समुद्री मार्ग शुरू कर दिया, जिससे जहाज ईरान के नियंत्रण वाले रूट से बचकर निकल सकते थे। ईरान को लगा कि इससे होर्मुज पर उसकी पकड़ कमजोर हो जाएगी।

अमेरिका पर दबावः ईरान को लग रहा है कि अमेरिका क्षेत्र में उसकी ताकत कम करने की कोशिश कर रहा है और हॉर्मुज का कंट्रोल लेना चाहता है।

ईरान ने ओमान पर भी ड्रोन हमला किया

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच ओमान भी इसकी चपेट में आ गया है। ओमानी सरकार ने पुष्टि की है कि देश के मुसंदम गवर्नरेट में ड्रोन हमले हुए हैं। ओमान सरकार ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि देश और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, हमले में किसी के हताहत होने या नुकसान की जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है।

इससे पहले ईरान की IRGC ने दावा किया था कि उसने ओमान के दुक्म बंदरगाह पर अमेरिकी विमानवाहक पोतों के लॉजिस्टिक सपोर्ट सेंटर और ईंधन आपूर्ति ठिकानों पर बड़ा हमला किया है।

ईरान के ताजा हमलों के बाद बहरीन में अमेरिकी सैन्य अड्डे से धुआं उठता दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में बेस के ऊपर धुएं का गुबार नजर आ रहा है। इससे पहले ईरान ने दावा किया था कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया है। वहीं, बहरीन में मिसाइल अलर्ट जारी किया गया था और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया।

भारत ने ओमान के पास जहाज पर हमले की निंदा की

भारत ने ओमान तट के पास व्यापारी जहाज 'GFS Galaxy' पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने बताया कि जहाज पर सवार 11 भारतीयों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक अब भी लापता है।

MEA ने कहा कि मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन पर नजर रखे हुए है। भारत ने नागरिक जहाजों पर हमले रोकने, तनाव कम करने और क्षेत्र में जल्द शांति बहाल करने की अपील की है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही बहाल करने की भी मांग की है।

दुनिया के करीब 20% कच्चे तेल की सप्लाई इसी स्ट्रेट से होती है। इसलिए यहां रुकावट का मतलब वैश्विक तेल सप्लाई पर सीधा असर है।

फास्ट न्यूज

चीन में बाढ़ से 18 लाख लोग विस्थापित

नई दिल्ली। जापान और ताइवान में तबाही मचाने के बाद चक्रवात 'बावी' चीन के पूर्वी शहर वेंझोउ की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए 18 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। वहीं, बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन में कम के कम 44 लोगों की मौत हो गई है, जबकि लाखों लोग बाढ़ में इधर-उधर फंसे हैं।

आयरन लंग इस्तेमाल करने वाली आखिरी यूएस पोलियो मरीज मार्था लिलार्ड का निधन

वाशिंगटन। आयरन लंग इस्तेमाल करने वाली आखिरी US पोलियो मरीज मार्था लिलार्ड का निधन हो गया है। उनकी बहन ने बताया कि 26 जून को ओक्लाहोमा में 78 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। मार्था लिलार्ड सिर्फ़ 5 साल की थीं जब उन्हें पोलियो का पता चला और वे जिंदा रहने के लिए आयरन लंग पर निर्भर थीं। लिलार्ड की छोटी बहन, सिंडी मैकवे ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि उन्हें 20 साल से ज्यादा नहीं जीना चाहिए। उनमें जीने और अपनी जिंदगी को सबसे अच्छा बनाने का जोश और इच्छा थी।

सीरिया में नदी पार करते समय पुल से टकराई फेरी

दमिश्क। पूर्वी सीरिया में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। फरात नदी को पार करते समय 35 से ज्यादा को ले जा रही एक फेरी पुल से टकराकर डूब गई, इस हादसे में दो बच्चों की जान चली गई। हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नदी के किनारे अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है।

ट्रंप के करीबी अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम का निधन

भारत पर 500% टैरिफ लगाने की करते थे मांग

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के सीनियर सीनेटर और राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बेहद करीबी सहयोगी रहे लिंडसे ग्राहम का शनिवार शाम को निधन हो गया। यह जानकारी उनके कार्यालय द्वारा रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर दी गई। उनके कार्यालय ने X पर पोस्ट किए गए एक बयान में बताया कि ट्रंप के बेहद करीबी सहयोगी रहे लिंडसे ग्राहम का शनिवार शाम अचानक हुई बीमारी से निधन हो गया बयान के अनुसार, सीनेटर ग्राहम का परिवार इस समय प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद दिया गया और इस मुश्किल टाइम में प्राइवेसी बनाए रखने की अपील की गई। जानकारी के अनुसार, सीनेटर लिंडसे ग्राहम उस बिल को पारित करवाने की तैयारी कर रहे थे जिसमें भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। यह बिल रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाने को लेकर था

सीनेटर लिंडसे ग्राहम डोनाल्ड ट्रंप के काफी करीबी थे और इस वक्त उस बिल को पारित करवाने की तैयारी कर रहे थे जिसमें भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। ये बिल रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाने को लेकर था। इस मांग को लेकर ट्रंप प्रशासन से समझौता हो गया था। लेकिन अब उनका निधन हो गया है। बताते चलें कि दक्षिण कैरोलिना के निवासी ग्राहम साल 2002 में पहली बार अमेरिकी सीनेट के लिए चुने गए थे।

फॉर्च्यून इंडिया की लिस्ट में नंबर 1 पर टॉप-10 में ईशा अंबानी भी शामिल

नीता अंबानी देश की सबसे पावरफुल महिला

नई दिल्ली, एजेंसी

रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी फॉर्च्यून इंडिया की सबसे पावरफुल टॉप-100 महिलाओं की लिस्ट में पहला स्थान हासिल किया हैं। यह सम्मान उन्हें लीडरशिप और समाज सेवा के लिए मिला है। उनकी लीडरशिप में फाउंडेशन ने शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में काम करते हुए 2.9 करोड़ बच्चों समेत देश के 10 करोड़ से ज्यादा लोगों की जिंदगी बदली है।

इवेंट में नीता अंबानी ने कहा, 'लीडरशिप को करुणा, समावेश और सशक्तिकरण से परिभाषित किया जाना चाहिए। मेरे लिए सच्ची पावर दूसरों को सशक्त बनाना है। भारत को दया, सहानुभूति और सभी जीवों के प्रति सम्मान पर आधारित 'सॉफ्ट पावर' की ज्यादा जरूरत है।' नीता अंबानी ने इस बात पर भी जोर दिया कि लड़कियों को सशक्त बनाने से अंततः देश मजबूत होगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मोस्ट पावरफुल वुमन्स की लिस्ट में 18वें नंबर पर रहीं। उन्होंने महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए अधिक इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट की मांग की और कहा, 'भारत के विकास का अगला चरण इस बात पर निर्भर करता है कि महिलाएं जॉब क्रिएटर बनें।' उन्होंने महिलाओं से कहा, ₹आप अपने आप में पर्याप्त हैं।₹ इसके साथ ही उन्होंने सचेत किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तब तक पूरी तरह समानता नहीं ला सकता, जब तक कि AI ट्रेनिंग डेटासेट्स में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व न हो।

फॉर्च्यून इंडिया के मोस्ट पावरफुल वुमन 2026 अवॉर्ड शो में नीता अंबानी।

हाल ही में अमेरिका में मिला था 'एएपीआई ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड'

फॉर्च्यून इंडिया की इस रैंकिंग से पहले, इसी महीने 3 जुलाई को नीता अंबानी को अमेरिका के फ्लोरिडा के ताम्पा शहर में 'AAPI ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड' से सम्मानित किया गया था। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडियन ओरिजिन (AAPI) ने यह पुरस्कार उन्हें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, खेल, संस्कृति और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया था।

ईशा अंबानी भारत की सातवीं सबसे पावरफुल वुमन

फॉर्च्यून इंडिया की लिस्ट में नीता अंबानी के बाद रोशनी नाडार मल्होत्रा दूसरे नंबर पर रहीं, जबकि रेड्डी सिस्टर्स- शोभना कामिनेनी, संगीता रेड्डी, प्रीथा रेड्डी और सुनीता रेड्डी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। टॉप 15 की लिस्ट में सावित्री जिंदल, प्रीति अडानी, किरण मजूमदार-शॉ, ईशा अंबानी, प्रिया नायर, बेला बजरिया और लीना नायर शामिल रहीं। खास बात ये है कि इस लिस्ट में उनकी बेटी ईशा अंबानी 7वें नंबर पर रहीं।

बेरोजगारी के खिलाफ गुस्सा, पीएम बालेन शाह का इस्तीफा मांगा

नेपाल में फिर जेन-जी प्रदर्शन तीन दिन में हुए 3 आत्मदाह

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में युवाओं की बढ़ती नाराजगी फिर से सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। इनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से झुलसा हुआ अस्पताल में भर्ती है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर जनविरोधी और निरंकुश तरीके से शासन चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि बजट व नीतियों में युवाओं के रोजगार और आय बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। 2022 में मेयर बनने के बाद बालेन ने शहर की सफाई, विरासत संरक्षण और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती के कदम उठाए। अवैध निर्माण पर कार्रवाई से ट्रैफिक सुधरा, हालांकि इसका विरोध भी हुआ, खासकर सड़क किनारे दुकानदारों और झुग्गी बस्तियों के लोगों से।

2023 में बालेन शाह ने आत्मदाह को सरकार की विफलता कहा था

2023 की वह घटना भी चर्चा में है, जब प्रेम आचार्य ने आत्मदाह किया था। उस समय काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने इसे राज्य की चरम विफलता बताया था। अब मौजूदा घटनाओं पर उनकी चुप्पी विपक्ष और प्रदर्शनकारियों के निशाने पर है। नेपाल में लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने युवाओं की मानसिक स्थिति, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि सरकार ने जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो विरोध और तेज हो सकता है।

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव, सीएम शुभेंदु खुद मामले को देख रहे

ममता के आंदोलन से बंद हुआ था प्लांट

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है।

राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है। टाटा के सिंगूर छोड़ने के बाद हजारों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजरते रहे। करीब 3,600 ऐसे परिवारों को आज भी सरकार हर महीने दो हजार रुपये और 16 किलो चावल देती है, लेकिन कई परिवार अब भी उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं। जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिद्य दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिद्य को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री लग गई होती तो उन्हें रोज शहर जाकर नौकरी नहीं करनी पड़ती। उनके पिता ने भी जमीन दी थी, लेकिन आज वह जमीन भी खेती के योग्य नहीं बची है। खासेरभेड़ी गांव के स्वरूप दास ने भी दो बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। वे बताते हैं कि मुआवजा मिलने के बाद वे दुबई चले गए थे, जबकि उनके दोनों भाइयों का चयन टाटा ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रशिक्षण के लिए किया था। उत्तराखंड में ट्रेनिंग शुरू हो चुकी थी और नौकरी की उम्मीद भी थी, लेकिन परियोजना बंद होने के साथ सारे सपने टूट गए। उनका कहना है कि यदि आज टाटा या कोई दूसरी बड़ी कंपनी आती है तो वे फिर जमीन देने के लिए तैयार हैं।

कारोबार : शहर की आबादी 29 लाख, 6 यूनिकॉर्न काम कर रहीं स्टार्टअप के मामले में दुनिया में 13वें नंबर पर

यूरोप की सिलिकॉन वैली बना विलनियस

विलनियस, एजेंसी

सुबह के करीब दस बजे हैं। लिथुआनिया की राजधानी विलनियस की साइबर सिटी में कांच की ऊंची इमारतों के बीच तेज कदमों से युवा प्रोफेशनल्स गुजर रहे हैं। एक तरफ नॉर्ड सिक्योरिटी जैसे दुनियाभर में मशहूर यूनिकॉर्न का दफ्तर है, तो कुछ ही कदम पर हॉस्टिंगर का। हॉस्टिंगर यानी एक ऐसा स्टार्टअप जिसके यूजर 150 से ज्यादा देशों में हैं। यहां फ्यूचर, एआई और स्टार्टअप जैसे शब्द हर बातचीत में सुनाई देते हैं।

विलनियस को अब यूरोप की 'सिलिकॉन वैली' भी कहा जाने लगा है। यूरोप के इस छोटे से देश लिथुआनिया की आबादी मात्र 29 लाख के करीब है, लेकिन यहां हजारों स्टार्टअप काम कर रहे हैं।

आकार और आबादी में भले ही यह देश छोटा है, लेकिन सोच बड़ी और ग्लोबल है। यूनिकॉर्न लिथुआनिया की सीईओ गिन्तारे वेरबिकाइते बताती हैं कि आज विलनियस यूरोप की सबसे तेजी से बढ़ती स्टार्टअप सिटी है। इस मामले में दुनिया में भी ये 13वें नंबर पर है। यहां कारोबार स्थानीय नहीं, वैश्विक सोच के साथ शुरू होता है। यहां के लोग कहते हैं कि जब हम कोई स्टार्टअप शुरू करते हैं तो उसे दुनिया की समस्याओं और जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाते हैं, क्योंकि हम सिर्फ लिथुआनिया तक सीमित रहना नहीं चाहते हैं।

> देश में 300 से ज्यादा फिनटेक कंपनियां काम कर रही हैं। 2020 से 2025 के बीच स्टार्टअप इकोसिस्टम का मूल्य 5.9 गुना बढ़कर करीब 1.56 लाख करोड़ रु. हो गया। 2025 में स्टार्टअप्स ने करीब 2400 करोड़ रु. की वेंचर कैपिटल जुटाई।

एआई प्रतिभा से बनी मजबूत नींव

देश में 77,600 से अधिक आईसीटी (सूचना और संचार तकनीक) विशेषज्ञ कार्यरत हैं। सरकार ने एआई विकास के लिए करीब 457 करोड़ रु. से अधिक का निवेश किया और 2018 में ही राष्ट्रीय एआई रणनीति लागू कर दी। 13 हजार छात्र आईसीटी की पढ़ाई कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर रीस्किलिंग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ा

एक्सेल, जनरल कैटलिस्ट, इनसाइट पार्टनर जैसी विश्व की प्रमुख निवेशक कंपनियां, जिन्होंने फेसबुक, स्पॉटिफाई, एयर बीएनबी जैसी कंपनियों में निवेश किया है, वे भी लिथुआनिया के स्टार्टअप्स में निवेश कर रही हैं। सार्वजनिक वाई-फाई स्पीड में लिथुआनिया पहले स्थान पर व साइबर सुरक्षा सूचकांक में छठे स्थान पर है। यहां नई कंपनी का रजिस्ट्रेशन कुछ ही दिनों में हो जाता है। सरकारी प्रक्रियाएं सरल और ऑनलाइन होने से उद्यमियों का समय और लागत दोनों बचते हैं। कॉर्पोरेट प्रॉफिट टैक्स 0-16% के बीच, फ्री इकोनॉमिक जोन में पहले 10 वर्षों तक 0% टैक्स, R&D प्रोत्साहन, पेटेंट बॉक्स, तेज लाइसेंसिंग प्रक्रिया, विश्वस्तरीय डिजिटल नेटवर्क और 2030 तक 100% रिन्यूएबल बिजली का लक्ष्य- ये तमाम ऐसे कारण हैं जिनके कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

अमेरिका ने ईरान के 140 ठिकानों को बनाया निशाना

तेहरान ने यूएई-कतर पर किए हमले

तेहरान, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। रविवार तड़के अमेरिका ने ईरान पर हमले का नया दौर शुरू किया। अमेरिका ने ईरान में 140 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइल हमले किए।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि यह हमला होर्मुज में साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर हुए हमले के जवाब में किया गया।

CENTCOM ने एक्स पर पोस्ट किए गए बयान में लिखा कि आज शाम 7:15 बजे (ET), U.S. सेंट्रल कमांड की फोर्स ने ईरान के खिलाफ इस हफ़्ते हमले का तीसरा दौर शुरू किया। यह कार्रवाई तब की गई जब इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की फोर्स ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज़ 'M/V GFS Galaxy' पर खुलेआम हमला किया। इस हमले में जहाज के क्रू का एक सदस्य लापता है और जहाज पर आग लगने तथा इंजन रूम को काफी नुकसान पहुंचने के कारण वह अपनी यात्रा जारी नहीं रख पा रहा है। व्यावसायिक जहाजों पर पहले हुए हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद, ईरान को 'मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (समझौता ज्ञापन) का पालन करने का एक और मौका दिया गया था, लेकिन वह फिर से ऐसा करने में नाकाम रहा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676